● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 106, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार , 23 मई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

हम जादूगर है, ट्रिक करते हैं : गहलोत 5

बहुत तकलीफ में हैं हिटमैन 6

हमारी सेना पाक को घुटनों पर लाई : पीएम

पीएम बोले-अब मोदी के नसों में खून नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान के बीकानेर जिले के दौरे पर रहे। पाकिस्तान पर भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला राजस्थान दौरा रहा। इस दौरान उन्होंने 26 हजार करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। इन सभी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया था।

अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी ने सभा को भी संबोधित किया, इस दौरान उन्होंने आतंकवादी देश पाकिस्तान पर भी तगड़ा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा- मेरी नसों में अब गरम लहू नहीं, सिंदूर बह रहा है। हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं

मिलेगा, यह हमारा संकल्प है। कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती।

पीएम मोदी ने कहा- एक ओर हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं, वहीं नदियों को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे यहां की धरती और किसानों को लाभ मिलेगा। राजस्थान की वीर भूमि हमें सिखाती है कि देश और देशवासियों से बढ़कर कुछ नहीं है। 22 तारीख को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, लेकिन वे गोलियां 140 करोड़ देशवासियों के सीने को छलनी कर गई थीं। इसके बाद देश ने संकल्प लिया कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज हमारी सेना के शौर्य से हम उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए कहा- हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिए। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। साथियों, यह संयोग ही है कि पांच साल पहले जब बालाकोट में एयर स्ट्राइक हुई थी, तब मेरी पहली जनसभा राजस्थान में हुई थी। यह वीर भूमि का प्रभाव ही है कि ऐसा संयोग फिर बना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब मेरी पहली जनसभा बीकानेर में हो रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि एयर स्ट्राइक के बाद चूरू में मैंने कहा था- शपथ है मुझे इस मिट्टी की कि मैं देश को मिटने नहीं दूंगा, देश झुकने नहीं दूंगा...। आज मैं राजस्थान की धरती से देशवासियों से बड़ी नम्रता के साथ कहना चाहता हूं कि देश के कोने-कोने में तिरंगा यात्राओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें हमने मिट्टी में मिला दिया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज उनसे एक-एक कतरे का हिसाब चुकाया गया है। जो सोचते थे कि भारत चुप रहेगा, आज वे अपने घरों में दुबके बैठे हैं। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वे मलबे के ढेर में दबे पड़े हैं।

पीएम मोदी ने कहा- यह प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय का नया स्वरूप है। यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह आक्रोश नहीं, समर्थ भारत का रौद्र रूप है। यह भारत का नया स्वरूप है। पहले घर में घुसकर हमला किया था, अब सीधा सीने पर प्रहार किया गया है। आतंक का फल कुचलने की यही नीति है, यही रीति है, यही भारत है और यही नया भारत है।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किए हैं।

नर्मदापुरम के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नर्मदापुरम जिले की भूमि उपजाऊ एवं समृद्ध है, यहां कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए शासन कृत-संकल्प है। नर्मदापुरम के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। नर्मदापुरम में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर निवेश को प्रोत्साहित किया गया है। आने वाले समय में नर्मदापुरम औद्योगिक रूप से विकसित जिला बनेगा। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को सिवनी मालवा में 97.07 करोड़ के 31 कार्यों का लोकार्पण एवं 102.94 करोड के 48 कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने सिवनी मालवा में खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदापुरम जिला ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हमारे देश की पहचान कृषि से होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने

किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं श्रमिक सभी वर्ग के लिए योजनाऐं बनाई हैं। मध्यप्रदेश शासन भी गरीब वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मनों को परास्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति जियो और जीने दो पर आधारित है। पूरी पृथ्वी हमारा परिवार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रदेश देश के मध्य में है इसलिए हमारी जवाबदेही और जिम्मेदारी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने इस बार 2600 रूपए प्रति क्विंटल के मान से किसानों से गेहूं खरीदा है। आने वाले समय में हम 05 लाख के सोलर पंप पर 90 प्रतिशत अनुदान देंगे। सोलर पंप में जो मीटर लगेगा उससे किसानों को निःशुल्क में बिजली मिलेगी और आने वाले समय में सरकार किसानों से बिजली भी खरीदेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 26 मई को नरसिंहपुर जिले में किसान उद्योग समागम मेले का आयोजन किया जाएगा।

आसिम मुनीर कट्टरपंथी, पहलगाम आतंकी हमला उसी का नतीजा : जयशंकर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पर तीखा हमला बोला और उन्हें धार्मिक कट्टरपंथी बता दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला उस कट्टरपंथी सोच का ही नतीजा है। नीदरलैंड के एक समाचार पत्र के साथ बातचीत में डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी किए गए आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। पहलगाम आतंकी हमले पर डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारतीय क्षेत्र जम्मू कश्मीर में बर्बर आतंकी हमला किया गया,

जहां 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। यह हमला कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर किया गया था क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर ही आधारित है। हमले के द्वारा धार्मिक भेदभाव को बढ़ाने की कोशिश की गई और लोगों को धर्म पूछकर मारा गया। पाकिस्तान की सेना के जो प्रमुख हैं, वो खुद धार्मिक कट्टरपंथी हैं। पहलगाम में हुआ आतंकी हमला उसी कट्टरपंथी सोच का नतीजा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे टीआरएफ और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठन हैं और टीआरएफ ने हमले की जिम्मेदारी भी ली है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 2023, 2024 में टीआरएफ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहलगाम आतंकी हमला करने वाले लोगों की पहचान की और ये कोई छिपी हुई बात नहीं है और उसके बाद उन्हें निशाना बनाया।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार, सुबह तकरीबन 11.30 बजे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। चीफ जस्टिस को मेल के जरिए धमकी मिली है। इसके बाद दो बजे तक के लिए हाईकोर्ट खाली करवा दिया गया। वहीं चंडीगढ़ के एलांते मॉल में बम की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर आपरेशन सेल, बम डिटेक्शन टीम और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और पूरे मॉल को खाली करवाया गया।

सलमान की सुरक्षा में चूक, दो दिन में घर में घुसे दो अंजान शख्स

मुबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। दो दिन के भीतर ही दो अंजान लोगों ने सलमान खान के घर में घुसने की कोशिश की है। पहले 20 मई को एक पुरुष ने सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी, जिसे सिक्योरिटी गार्ड्स ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। वहीं अगले दिन यानी 21 मई की रात एक महिला ने भी सलमान के घर में घुसने का प्रयास किया। गुरुवार सुबह मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जानिए क्या है पूरा मामला। सबसे पहले मंगलवार को सलमान खान की सिक्योरिटी को चकमा देकर एक शख्स ने उनके घर में घुसने की कोशिश की। यह युवक कार में पीछे छिपकर सलमान के बिल्डिंग परिसर में घुसने में कामयाब भी हो गया। हालांकि, सिक्योरिटी गार्ड्स ने इसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। युवक का नाम जितेन्द्र कुमार सिंह है, जो छत्तीसगढ़ का बताया जा रहा है।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि युवक को पहले सुबह सलमान के घर के आसपास घूमते देखा गया। वहां तैनात एक पुलिसकर्मी ने उसे जाने के लिए कहा। बाद में शाम को युवक बिल्डिंग में रहने वाले एक व्यक्ति की कार में बैठकर गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसा। हालांकि, पुलिस ने उसे फिर से रोक लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह अभिनेता से मिलना चाहता था। इसके बाद बुधवार रात एक अंजान महिला ने भी सलमान के घर में घुसने की कोशिश की। मुंबई पुलिस के मुताबिक, ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने रात को लगभग 3:30 बजे सलमान के घर में घुसने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि महिला बिल्डिंग की लिफ्ट से सीधे सलमान के फ्लैट तक जा पहुंची। जहां गैलेक्सी अपार्टमेंट के सुरक्षा गार्डों ने उस महिला को पकड़कर बांद्रा पुलिस को सौंप दिया।

ज्योति की चार दिन की रिमांड बढ़ी

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को कोर्ट में कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने ज्योति की चार दिन की रिमांड बढ़ा दी है। हिसार पुलिस ज्योति को गुरुवार सुबह साढ़े 9 बजे कोर्ट लाई थी। करीब डेढ़ घंटे तक उसकी रिमांड पर बहस चली। जिसके बाद हिसार पुलिस को उसकी 4 दिन का रिमांड मिल गई। इस दौरान किसी अधिकारी ने मीडिया से बात नहीं की। पेशी के वक्त ज्योति से उके पिता हरीश मल्होत्रा को नहीं मिलने दिया गया। ज्योति 16 मई को गिरफ्तार हुई थी।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम सुनवाई पूरी

कोर्ट ने याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बृहस्पतिवार को तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया। जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अंतरिम आदेश सुरक्षित रखने से पहले करीब तीन दिन तक वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलें सुनीं, जो संशोधित वक्फ कानून के विरोध में याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखा। केंद्र ने इस अधिनियम का दृढ़ता से समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ अपनी प्रकृति से ही एक धर्मनिरपेक्ष अवधारणा है और संवैधानिकता की धारणा के इसके पक्ष में होने के मद्देनजर इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

दुनिया आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत के साथ आए : रणधीर

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की रवानगी समेत तमाम मुद्दों पर जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम आतंकवाद से लड़ने के अपने संकल्प को दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए एक साथ आए।

उन्होंने कहा कि हम दुनिया से आग्रह करना चाहते हैं कि वे सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराएं। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से भारत के खिलाफ आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। उसके कार्यों को उजागर करने की आवश्यकता है। उसे भारत के खिलाफ किए गए आतंकी हमलों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसलिए सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं। तीन प्रतिनिधिमंडल रवाना हो चुके हैं। यह एक राजनीतिक मिशन है।

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच त्रिपक्षीय वार्ता पर उन्होंने कहा कि हमने कुछ रिपोर्ट देखी हैं। मुझे इसके अलावा और कुछ नहीं कहना है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री के साथ बातचीत पर हमने जानकारी दी थी। विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री को धन्यवाद दिया। वे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हुए। विदेश मंत्री ने हाल ही में झूठी और निराधार रिपोर्टों के माध्यम से भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के प्रयासों को दृढ़ता से अस्वीकार करने का भी स्वागत किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और पाकिस्तान के बीच जंग को समाप्त करने का श्रेय लेने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, कि अपनी पिछली ब्रीफिंग में मैंने इस पर बात की थी। मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। आप हमारी स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी जुड़ाव द्विपक्षीय होना चाहिए।

हफ्ते भर में ही कोरोना ने बढ़ा दी टेंशन

नई दिल्ली। कोरोना का खतरा दुनियाभर में एक बार फिर से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। इस नई लहर का प्रकोप एशियाई देशों में सबसे ज्यादा है। हांगकांग-सिंगापुर और चीन के कई हिस्सों से शुरू हुई कोरोना की ये लहर अब भारत में भी दस्तक दे चुकी है। 22 मई, गुरुवार तक देश में कुल 257 एक्टिव केस हैं। दुनिया के कई हिस्सों में जिस तरह से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, इसे देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में भी लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए उपाय करते रहने की सलाह दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 12 मई से 19 मई के बीच सप्ताह में 164 नए कोविड मामले दर्ज किए गए, जिससे देश में कुल सक्रिय मामले 257 हो गए। केरल में सबसे अधिक 95 मामले हैं, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 69 मामलों की वृद्धि है। इसके बाद तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 मामले हैं। देश के सभी राज्यों को कोरोना के मामलों को लेकर अलर्ट किया गया है। गुरुवार को सामने आई जानकारियों के मुताबिक ओडिशा में ढाई साल के अंतराल के बाद कोविड-19 का एक नया मामला सामने आया है।

दिल्ली में हार के बाद आप में बड़े बदलाव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने नई जिम्मेदारियों की घोषणा करते हुए कई राज्यों के लिए प्रभारियों और सह-प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी है। दिलीप पांडे को पार्टी का ओवरसीज कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। जितेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश, राजेश गुप्ता को कर्नाटक, ऋतुराज गोविंद को हिमाचल प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस सूची के अनुसार, उत्तराखंड के प्रभारी महेन्द्र यादव बनाए गए हैं। केरल में शेली ओबेरॉय, महाराष्ट्र में प्रकाश जारवाल, राजस्थान में धीरेश टोकस, तेलंगाना में प्रियांका कक्कड़, तमिलनाडु में पंकज सिंह और लद्दाख में प्रभाकर गौर को प्रभारी बनाया गया है।

किश्तवाड़ में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

एक जवान बलिदान, कुछ सैनिक घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चटरू के सिंहपोरा इलाके में में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने गोलीबारी के बाद तीन से चार आतंकियों को घेर लिया। गोलीबारी में एक जवान बलिदान हो गया। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है। अन्य घायल सैनिकों का उपचार उधमपुर सेना अस्पताल में किया जा रहा है।

किश्तवाड़ आतंकी मुठभेड़ में शहीद सैनिक की पहचान सिपाही गायकवाड़ संदीप पांडुरंग निवासी करानाडी तहसील अकोला जिला अहमदनगर महाराष्ट्र के रूप में हुई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली कि चटरू के सिंहपोरा इलाके में आतंकी छिपे हैं। सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से गोलीबारी हुई। किश्तवाड़ के सब डिवीजन चटरू के सिंहपोरा इलाके में मुठभेड़ हुई।

देश में कई जगह भारी बारिश, घरों में पानी... सड़कें बंद

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच अचानक बदले मौसम और बारिश के कारण लोगों को बढ़ते तापमान से राहत तो मिली, लेकिन बारिश का कहर भी दिखा। घरों में पानी घुसने और सड़कें बंद होने की तस्वीरें हालात बयां कर रही हैं। दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बिजली के खंभे और पेड़ गिरने से जानमाल का नुकसान हुआ है। कई जगहों पर दिन में रात जैसा नजारा दिखा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले हफ्ते दस्तक देने जा रहा मानसून दहलीज पर खड़ा है।

अगले चार से पांच दिनों के दौरान केरल में मानसून के दस्तक देने की संभावना है। लेकिन मानसून के पहुंचने से पहले पश्चिमी

घाट के कुछ हिस्सों, कर्नाटक से लेकर महाराष्ट्र के कई इलाकों में आंधी तूफान के साथ भारी बारिश का दौर जारी है। पालघर जिले के नाला सोपारा में भारी बारिश के कारण एक घर का छज्जा गिर गया, जिसमें दो लोगों को बचा लिया गया। पश्चिमी हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश में सुबह धूप खिली तो दोपहर के बाद भारी बारिश और ओलावृष्टि के चलते अंधेरा छा गया। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में मानसून से पहले की बारिश हो रही है। पुणे और बंगलूरू जैसे प्रमुख शहरों में भारी बारिश में जलभराव के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। कई घरों में अब भी बारिश का पानी घुसा हुआ है। कई जगह पेड़ गिरने से रास्ते बंद हैं तो बिजली भी गुल है।

कर्नाटक के तटीय और घाटी क्षेत्रों में 204.5 मिमी से अधिक वर्षा की संभावना जताई गई है। असम, मेघालय, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, साथ ही वज्रपात और भारी वर्षा भी संभावित है और 204.4 मिमी तक बारिश हो सकती है। आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, मराठवाड़ा, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कई हिस्सों में भी गरज-चमक के साथ 64.5 से 115.5 मिमी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल से औसतन 1.5 किमी ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है और एक पश्चिम पूर्व ट्रफ लाइन मध्य पाकिस्तान से शुरू होकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल होते हुए उत्तरी बांग्लादेश तक फैली हुई है। इस ट्रफ के प्रभाव से 21 से 26 मई के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 30-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं, बिजली चमकने और हल्की बारिश की संभावना है।

एनसीएल ग्राउंड में कचरा गाड़ियों का किया गया भौतिक सत्यापन

कमिश्नर, महापौर, अध्यक्ष सहित पार्षद रहे मौजूद, पार्षदों ने कंपनियों की गाड़ियों का भौतिक सत्यापन करने का लगाया आरोप

सिंगरौली। नगर निगम क्षेत्र में कचरा प्रबंधन कर रही कंपनी की गाड़ियों का आज नगर निगम अमला ने एनसीएल ग्राउंड में भौतिक सत्यापन करवाया गया। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत घर-घर कचरा प्रबंधन में लगी हुई गाड़ियों को एनसीएल ग्राउंड में इकट्ठा किया गया और पार्षदों की मौजूदगी में भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान महापौर रानी अग्रवाल, अध्यक्ष देवेश पांडेय, कमिश्नर डीके शर्मा सहित पार्षद मौजूद रहे।

दरअसल नगर निगम परिषद बैठक में पार्षदों का आरोप था कि घर-घर कचरा संग्रहण और मृत मवेशियों को उठाने के लिए सिटाडेल कंपनी ने 45 से 50 गाड़ियां ही लगा कर रखीं हैं। जिससे प्रतिदिन हर वार्डो से घर-घर कचरे का संग्रहण नहीं हो पा रहा। कौन गाड़ी कहां जा रही है इसका निर्धारण भी कराया जाए, इसके बाद परिषद ने सिटाडेल में लगी गाड़ियों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए थे। जहां आज कचरा वाहन और मृत

मवेशी वाहनों को भौतिक सत्यापन कराया गया। लेकिन सिटाडेल कंपनी के इस भौतिक सत्यापन से संतुष्ट नहीं है। पार्षदों ने आरोप लगाया है कि अन्य कंपनियों में लगी गाड़ियों को भी लाया गया है जो बिल्कुल गलत है। नगर निगम कमिश्नर डीके शर्मा ने बताया कि पार्षद गणों ने परिषद की बैठक के दौरान कचरा प्रबंधन कर रही। कंपनी सिटाडेल पर कम गाड़ियां लगाने की शिकायत की थीं। जिसके बाद परिषद ने कचरा संग्रहण और मृत जानवरों को ले जाने के लिए कंपनी ने कितनी गाड़ियां लगाई गई हैं उनके भौतिक सत्यापन की मांग की गई थी। जिस पर आज भौतिक सत्यापन किया गया है। प्राथमिक रूप से सब कुछ वैसा चल रहा है जैसा कंपनी ने कहा था। इस दौरान खुर्शीद आलम, पार्षद सीमा जायसवाल, राम नरेश शाह, अनिल बैस, प्रेम सागर मिश्रा, शेखर सिंह, राम गोपाल पाल, रूकमन देवी, बंतो कौर, राम मिलन भारती, परमेश्वर पटेल, नगर निगम के उपायुक्त आरपी बैस, पार्षद प्रतिनिधि अर्जुन गुप्ता, अमित यादव, सीटाडेल अधिकारी रावेन्द्र उपस्थित रहे।

पार्षदों ने कंपनियों में लगें वाहनों को लाने का आरोप

नगर निगम के पार्षद परमेश्वर ने आरोप लगाया की कचरा प्रबंधन का काम कर रही कंपनी दूसरी जगह से बाहर की गाड़ियां लाकर यहां खड़ी की गई हैं। कंपनी प्रबंधन हर महीने एक करोड़ 20 लाख रुपए कचरा प्रबंधन के नाम पर ले रहा है, लेकिन शहर कचरे के ढेर में है और नगर निगम के अधिकारी इनसे मिले हुए हैं। कंपनी ने एनसीएल ग्राउंड पर आज 75 गाड़ियां भौतिक सत्यापन के लिए लाई थी, जिनमें से कई गाड़ियां कबाड़ हैं और कई गाड़ियां एनसीएल और एनटीपीसी से लाई गई है। जिन पर नगर निगम लिखवाया गया है।

इनका कहना है

तीनों जोन में लगी गाड़ियों का सत्यापन कराया गया। कौन सा वाहन किस वार्ड में जाएगा, वाहन में कौन ड्राइवर रहेगा, इसकी जानकारी वार्ड पार्षदों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। यदि कंपनी लापरवाही बरतती है तो कार्रवाई की जाएगी।

देवेश पांडेय
अध्यक्ष, नगर निगम

सिटाडेल कंपनी के मैनेजर ने कहा है कि नगर निगम के साथ जो अनुबंध किया है उसके हिसाब से गाड़ियां लगी हैं और कंपनी नियम के अनुसार काम कर रही है।

रावेन्द्र सिंह
मैनेजर, सिटाडेल कंपनी

भारत मंडपम में इन्नोमेट्रो का 5वां संस्करण हुआ आयोजित

मेट्रो और रेलवे क्षेत्र में भारतीय नवाचारों की प्रदर्शनी में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुये सिंगरौली विधायक

सिंगरौली। भारत की शहरी गतिशीलता के भविष्य को आकार देने में इन्नोमेट्रो प्रदर्शनी और सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष 21-22 मई को आयोजित इन्नोमेट्रो का आयोजन भारत मंडपम प्रगति मैदान नई दिल्ली में हुआ। जिसमें मेट्रो और रेलवे क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। जहां इस प्रदर्शनी में सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह शामिल हुये। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कई प्रमुख हस्तियाँ शामिल हुईं। जिन्होंने भारतीय मेट्रो और रेलवे क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों और विकास की सराहना की। इस प्रदर्शनी में 150 + प्रदर्शकों ने भाग लिया और 25 + देशों के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। 5 हजार वर्ग मीटर से अधिक के प्रदर्शनी क्षेत्र में 7 हजार प्लस व्यापारिक आगंतुकों ने भाग लिया। जो इस क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। इन्नोमेट्रो का उद्देश्य भारतीय रेलवे और मेट्रो नेटवर्क में हो रहे परिवर्तनों को प्रदर्शित करना था। जिसमें स्मार्ट सिग्नलिंग, स्वचालित संचालन, हरित प्रौद्योगिकियाँ और यात्री अनुभव में सुधार शामिल हैं। इस कार्यक्रम ने न केवल उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान किया, बल्कि नीति निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं को एक साथ लाकर विचार-विमर्श और सहयोग की नई दिशा दी। इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले आगंतुकों ने नई प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों और रेलवे सुरक्षा में हो रहे परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह कार्यक्रम भारतीय रेलवे और मेट्रो नेटवर्क के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है, जो देश की शहरी गतिशीलता को और अधिक सशक्त और स्मार्ट बनाने की दिशा में अग्रसर है।

इन्नोमेट्रो ने यह साबित किया कि भारतीय मेट्रो और रेलवे क्षेत्र नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक मानकों के साथ कदमताल कर रहा है। इस प्रदर्शनी ने उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान किया। जहाँ उन्होंने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और भविष्य की दिशा पर चर्चा की।

बदहाल सिंगरौली में महोत्सव मनाना सिंगरौलीवासियों का अपमान : राजेश

सिंगरौली। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा की जिले में जिस तरह से सड़क दुर्घटना से लगातार मृत्यु हो रही है, सरकारी अस्पताल में डॉक्टर एवं दवा की कमी के कारण मरीज अपना दम तोड़ रहे हैं। प्रदूषण के मामले में सबसे आगे आना वाला क्षेत्र एवं जिले में तमाम तरह की कंपनियां होने के बाद भी जिले के युवा रोजगार के लिए दर दर भटकने के लिए मजबूर है। ऐसे में जिला प्रशासन एवं म.प्र. सरकार के द्वारा जनता के टैक्स के कई करोड़ रुपये

खर्च करके सिंगरौली महोत्सव का कार्यक्रम मनाना जिले वासियों का अपमान है। क्योंकि जिले के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। जिले में ना तो आजतक हाईवे का निर्माण हो पाया, ना ही रेलवे की अच्छी व्यवस्था हो पाई। हवाई अड्डे की बात किया जाए तो वर्ष 1960 से चल रहे प्रोजेक्ट को हवाई पट्टी में तब्दील कर दिया गया फिर किस बात का सिंगरौली महोत्सव। इस महोत्सव को मनाने से पहले एक बार सिंगरौली की जनता का हालातों को देखना चाहिए और उनसे सहमति लेना चाहिए, क्योंकि देश अब आजाद है, ऐसा काम ब्रिटिश शासन में हुआ करता था की अंग्रेजों का जो इच्छा करता था वो वही करते थे। ब्रिटिश शासन में देश की जनता की बदहाली से कोई लेना-देना नही था। उसी तरह से आज की शासन एवं प्रशासन जिले में कार्य कर रही है।

मानसून को दृष्टिगत रखते हुयें तीन माह का राशन एकमुश्त आवंटित करने के आदेश जारी

सिंगरौली। जिला आपूर्ति अधिकारी पीसी चन्द्रवंशी ने बताया कि आगामी मानसून सीजन मे संभावित बाढ़ के कारण राशन सामग्री के परिवहन, भंडारण एवं वितरण में आने वाली समस्याओं के निराकरण एवं पात्र परिवारों को समय-सीमा मे राशन सामग्री उपलब्ध करने के लिए एनएफएस तथा पीएमजीकेवाई अंतर्गत शामिल पात्र परिवारों को माह जून से अगस्त तक की एकमुश्त राशन सामग्री के आवंटन, उठाव एवं वितरण किया जाने के लिए राज्य शासन द्वारा सभी उपखण्ड अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

एनटीपीसी विंध्याचल ने निकली रैली, स्वच्छ भारत की ओर एक और सशक्त कदम

सिंगरौली। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत एनटीपीसी विंध्याचल ने आज अपने टाउनशिप परिसर में एक प्रेरणादायक स्वच्छता रैली का आयोजन किया।

इस रैली में एनटीपीसी के अधिकारियों -कर्मचारियों उनके परिजनों के साथ-साथ सीआईएसएफ, यूनियन तथा एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली का नेतृत्व ई सत्य फणि कुमारए कार्यकारी निदेशक ने किया। इस अवसर पर अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिनमें संजीब

कुमार साहा प्रचालन एवं अनुरक्षण, डीके अग्रवाल संविदा एवं सामग्री, राजशेखर पाला सहित अन्य शामिल रहे। रैली के दौरान टाउनशिप में स्वच्छता के नारे गूंज उठे, जिन्होंने न केवल वहां मौजूद लोगों को प्रेरित किया, बल्कि साफ.-सफाई, पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक भागीदारी के महत्व को भी उजागर किया। यह आयोजन एनटीपीसी विंध्याचल की स्थायी विकास और स्वच्छ भारत के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

दुद्धिचुआ में ओपेन जिम का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी एनसीएल की दुद्धिचुआ परियोजना ने आवासीय परिसर में ओपेन जिम की शुरुआत की। इस दौरान क्षेत्रीय महाप्रबंधक दुद्धिचुआ विनोद कुमार सिंह ने ओपन जिम का औपचारिक उद्घाटन किया। एनसीएल दुद्धिचुआ द्वारा यह कार्य शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। इस ओपेन जिम के माध्यम से एनसीएल कर्मी तथा स्थानीय लोग सुबह शाम किसी भी समय व्यायाम कर सकेंगे। साथ ही यह ओपन जिम लोगों को एक स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करेगा।

एनटीपीसी विंध्याचल ने जल संरक्षण की दिशा में उठाया बड़ा कदम, सूर्या नाला पर बनाया चेक डैम

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए सूर्या नाला पर चेक डैम का निर्माण किया है। यह नाला रिहंद जलाशय गोविंद बल्लभ पंत सागर से जुड़ा हुआ है। इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना और आसपास के जल स्रोतों की गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह चेक डैम जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बनाया गया है, जो जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन और जनसहभागिता को बढ़ावा देने वाला एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। इस चेक डैम का उद्घाटन

संजीव मेहरा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एजे राजकुमारए महाप्रबंधक तथा ईएमजी और ऐश डाइक प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे। एनटीपीसी विंध्याचल की यह पहल न केवल जल गुणवत्ता सुधारने में सहायक होगी, बल्कि यह जल संरक्षण में औद्योगिक संस्थानों की सक्रिय भूमिका का भी प्रमाण है। यह परियोजना आने वाले समय में क्षेत्रीय पारिस्थितिकी और जल आपूर्ति को स्थायित्व प्रदान करेगी।

मण्डल खुटार के तेलदह में शौर्य तिरंगा यात्रा हुई सम्पन्न

सिंगरौली। ऑपरेशन सिंदूर के अपार सफलता पर सेना के शौर्य एवं

पराक्रम के सम्मान में भारतीय जनता मण्डल खुटार द्वारा आयोजित शौर्य तिरंगा यात्रा तेलदह में निकाली गई। जिसमें मुख्य रूप से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष कमलेश बैस, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनोज शाह, मण्डल उपाध्यक्ष जय प्रसाद बैस, महेन्द्र कुमार पाण्डेय, रामलल्लू शाह, महामंत्री अरविन्द बसोर, मण्डल मंत्री विजय कुमार गुप्ता, बद्री प्रसाद बैस, रामलल्लू कुशवाहा, देवलाल यादव, बंशीलाल यादव, रामविशाले साकेत, अम्बिका प्रसाद दुबे, मेवालाल केवट, लल्ली साकेत, सुनीता साकेत एवं अंबिका प्रसाद बैस सहित कई ग्रामीण जनों सहभागिता निभाई।

बगदरा अंचल के कई गांव में 72 घंटे से बिजली गुल

पशुओं को भी नहीं पिला पा रहे हैं ग्रामीण पानी, जंगल में कई बिजली खंभे टूटे

सिंगरौली

विद्युत सब स्टेशन क्षेत्र चितरंगी के उप तहसील बगदरा अंतर्गत एक दर्जन गांवों में पिछले 72 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप है। बताया जा रहा है कि करीब 10 की संख्या में अलग-अलग स्थान पर बिजली के पोल तूफान के चलते पिछले कई दिनों से टूटे हुए गए थे। जिसके कारण बिजली सप्लाई बंद है।

जानकारी के अनुसार बगदरा उप तहसील क्षेत्र के खामहारडीह, रेही, कुलकवार, बगदरा, करौंदिया, गोपाल, फुटहड़वा, रमपुरवा, बरगवां, बकिया सहित कई गांव में पिछले 72 घंटे से बिजली सेवा पूरी तरह से प्रभावित है। बताया जा रहा है कि करीब 10 की संख्या में कई अलग-अलग स्थान में बिजली के खंभे तूफान के चलते टूट गया। जिसके कारण विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से ठप्प है । बिजली के बंद होने से इस भीषण गर्मी में ग्रामीणों को जो बोरवेल के भरोसे हैं, वह भी पानी के लिए भटक रहे हैं। मवेशियों के सामने भी पानी का संकट खड़ा हो गया। हालांकि एमपीईबी ग्रामीण के कार्यपालन अभियंता ने बताया है कि बिजली आपूर्ति बाहर करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। कई खंभे टूट जाने के कारण या समस्या उत्पन्न हुई है। आज दिन गुरुवार के देर शाम तक में बिजली सेवा बहाल हो जाएगी। कुछ गांव की आपूर्ति बहाल हो गई है।

दिन भर छाए रहे बादल, गर्मी और उमस से मिली राहत

सिंगरौली

मई महीने भीषण गर्मी से पूरा जनजीवन जूझ रहा। इस बीच आज दिन गुरुवार को दिन भर बादल छाए रहे। दिन भर सूर्य भगवान के दर्शन नहीं हुए। गत दिवस बुधवार को दोपहर हुई बारिश और दूसरे दिन बादल छाने की वजह से गर्मी और उमस का असर काफी कम रहा। सब्जी का व्यवसाय करने वाले किसान बारिश होने और बदल छाने से राहत महसूस कर रहे हैं।

बता दे की बीते दिन बुधवार को आधे घंटे तेज बारिश होने और दूसरे दिन बादल छाए रहने से मौसम फिर भी खुशगवार बना रहा। गर्मी और उमस काफी कम रही। एक दिन की कुछ ही घंटों की बारिश ने बिजली की मांग को भी थोड़ा कम कर दिया। वहीं तेज हवा नहीं चलने से ट्रिपिंग की समस्या का सामना भी कम ही करना पड़ा। पिछले दो दिन से जिले का मौसम राहत भरा रहा है और तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही चल रहा है। अगर एक-दो दिन और अच्छी बारिश हो गई तो मौसम में और भी सुधार हो जाएगा। मौसम विभाग ने बताया कि तूफान की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा या उससे अधिक हो सकती है। यह स्थिति 24 मई तक रहेगी। वहीं 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है, जो 2 जून तक चलेगा। हालांकि इस बार नौतपा में बादल छाए रहने और हल्की बारिश के कारण थोड़ी कम गर्मी रहेगी।

समग्र ई-केवाईसी की प्रगति कम होने पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

सिंगरौली। शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को बिना किसी असुविधा के प्राप्त हो, इसके लिए समग्र आईडी का ई-केवाईसी जिले में अभियान चलाकर किया जा रहा है। कलेक्टर के द्वारा परिवार समग्र आईडी से अधार लिंक के कार्य में कम प्रगति आने पर नाराजगी जाहिर करते हुये समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ननि आयुक्त सहित नगर परिषद बरगवां एवं सरई के सीएमओ को निर्देशित किया है कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा 30 मई तक प्रत्येक परिवार का समग्र ई-केवाईसी किया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होने निर्देशित किया कि समग्र का ई-केवाईसी कराने के लिए नागरिको प्रेरित करने के लिए इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराये साथ ही इस कार्य पर लगातार मानीटरिंग भी करते रहे।

पत्नी और बच्चे को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

ईनामी आरोपी 2 साल से चल रहा था फरार, विंध्यनगर पुलिस की कार्यवाही

सिंगरौली। विन्ध्यनगर थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले में 2 साल से फरार इनामी आरोपी को डिंडोरी से गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही 21 जून 2023 को दर्ज एक शिकायत के आधार पर की गई है। आरोपी पर आरोप हैं पत्नी और बेटे को आत्महत्या के लिए उकसाने और जीवित रहते पत्नी को प्रताड़ित करता था। पत्नी की आत्महत्या करने के बाद से ही वह फरार हो गया था। और नंबर बदल बदल कर पुलिस को चकमा दे रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार विंध्यनगर थाना पुलिस ने दो साल से फरार इनामी आरोपी को डिंडोरी जिले के एक गांव से गिरफ्तार किया है। विंध्यनगर थाना प्रभारी अर्चना द्विवेदी ने बताया कि 21 जून 2023 को इस बात की सूचना आई थी की निर्मला विश्वकर्मा नाम की महिला ने अपने चार साल के बेटे राजेश विश्वकर्मा के साथ एनटीपीसी की नहर में कूद कर आत्महत्या कर ली है। मामले की जब विवेचना की गई तो पता चला कि मृतक महिला का पति रामेश्वर विश्वकर्मा आए दिन पत्नी के साथ लड़ाई झगड़ा और मारपीट कर रहा था और उसे प्रताड़ित कर रहा था जिसका पहले से न्यायालय में मामला चल रहा था। इसी बीच महिला ने अपने चार साल के बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। विवेचना के दौरान पता चला इस आत्महत्या की वजह उसका पति है आत्महत्या करने के दिन से ही पति फरार हो गया था। जिसकी लगातार तलाश

की जा रही थी, लेकिन आरोपित इतना शातिर था कि लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। कई बार जबलपुर इलाके में दबिश भी दी गई, लेकिन आरोपी नहीं मिला। आज इस बात की पक्की सूचना आई थी कि डिंडोरी जिले के शाहपुरा में आरोपी छुपा हुआ है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है और न्यायालय में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी फरारी के बाद से किन-किन व्यक्तियों के सम्पर्क में था और कहां-कहां अपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया उसकी जांच की जा रही है। इस कार्यवाही में निरीक्षक अर्चना द्विवेदी, उप निरीक्षक शीतल यादव, सहायक उप निरीक्षक सुनील दुबे, प्रधान आरक्षक पंकज सिंह, बृजेश सिंह, रुकमणी तिवारी, अमलेश कुमार, आरक्षक प्रताप कुमार की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

आरोपी पुलिस से बचने के लिए हर बार अपनी पहचान छुपा लेता था। और पिछड़े इलाकों में रहता था। कई बार तो आरोपी ने स्वयं को राजस्व विभाग का आरआई होना बताता था। आरोपी बचने के लिए कम पढ़े लिखे लोगों की आईडी लेकर सिम निकलवा लेता था। जिससे पुलिस उस तक नहीं पहुंच पा रही थी। आरोपी इतना शातिर था कि वह एक के बाद एक आधा दर्जन से अधिक अपराधों को अंजाम दे चुका है। वह भोले-भाले लोगों को नौकरी के नाम पर ठगी करता था। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2022 में थाना तिलवारा जिला जबलपुर में अपराध पंजीबद्ध किया गया था। जहां से जमानत पर छूटने के बाद यह फरार हो गया था। बताया जा रहा है कि आरोपी बेहद शातिर था और पुलिस से बचने के लिए लगातार वह जगह बदल रहा था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने कई बार अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह फरार हो जाता। इसके बाद तात्कालिक एसपी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए इनाम की घोषणा की थी।

अभियान चलाकर 31 मई तक ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करायें : कलेक्टर

समग्र ई-केवाईसी के लिए विशेष अभियान चलाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीधी। जिले में समग्र ई-केवाईसी की प्रगति को लेकर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। कुछ क्षेत्रों में ई-केवाईसी की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित उपखण्ड अधिकारी को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्रों में ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता पर लें और समयबद्ध रूप से लक्ष्यों को पूर्ण करें।

कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत खाद्यान्न प्राप्त कर रहे समस्त हितग्राहियों के साथ-साथ जिले के सभी व्यक्तियों का भी ई-केवाईसी करने के निर्देश दिए गये है। वर्तमान में जिले की ई-केवाईसी प्रगति कम होने से उसे अभियान के रूप में पूर्ण करने के लिए निर्देश जारी किये गये है। ई-केवाईसी के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने-अपने अनुभाग के लिए नोडल अधिकारी रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत व शहरी क्षेत्र में सीएमओ नगरी निकाय सहायक नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। ई-केवाईसी कार्य को पूर्ण कराने एवं अपात्र व्यक्तियों के नाम समग्र पोर्टल से हटाने के लिए 07 दिन का अभियान चलाकर 31.05.2025 तक आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करेंगे। सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रतिदिन कम से कम 15-20 पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन करने के लिए दिनांकवार/पंचायतवार कैलेण्डर तैयार कर ग्रामसभा का आयोजन करवायेंगे। आयोजित ग्रामसभा के लिए एक-एक नोडल अधिकारी को भी नियुक्त करेंगे। आयोजित ग्रामसभा में खाद्य विभाग से प्राप्त सूची का वाचन करेंगे तथा वाचन उपरांत हितग्राहियों की ई-केवाईसी करते हुए शेष हितग्राही जिनकी ई-केवाईसी नहीं हो पा रही निम्न बिन्दुओं पर सूची तैयार कर जनपद/नगरीय निकाय में जमा कराते हुए समग्र पोर्टल से उनके नाम डीलिट कराना भी सुनिश्चित करेंगे जैसे व्यक्ति जिनकी मृत्यु हो चुकी है, व्यक्ति जो अन्य स्थान पर चले गए है, महिला जिनकी विवाह हो चुका है, व्यक्ति जिनके आधार अन्य राज्य के हो, डबल समग्र आईडी वाले व्यक्ति। आयोजित होने वाली ग्रामसभा में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, समिति प्रबंधक, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ-साथ ग्राम स्तरीय सभी अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया से शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक शीघ्रता से पहुँचाया जा सकता है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देशित किया कि वे आमजन को ई-केवाईसी की अनिवार्यता के बारे में जागरूक करें और ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रगति की अगली समीक्षा बैठक में लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

इसी प्रकार जिले में राशन के पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी की जानकारी के संबंध में समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विकासखंडवार पेंडिग कार्यों की सूची निकालकर कार्य करने की आवश्यकता है। सभी जेएसओ इसमें मेहनत से कार्य करते हुए हुए प्रगति लाएं और एसडीएम मॉनिटरिंग करें। शेष हितग्राहियों को पीओएस मशीन से ई-केवाईसी कराना है। जो हितग्राही मृत हो चुके हैं अथवा जिनकी शादी हो चुकी है अथवा जो पलायन कर गये हैं उनकी सूची विक्रेता तैयार करके पंचायत सचिव के द्वारा डिलीट करवाना है। सभी हितग्राहियों को अपना राशन प्राप्त करने 31 मई तक ई-केवाईसी कराना जरूरी, अन्यथा राशन बंद होने की संभावना है। इसके साथ ही कलेक्टर ने आवास पोर्टल में हितग्राहियों की समग्र आईडी अनिवार्य रूप से दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी नागेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सी.एम. हेल्पलाईन में शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण नहीं करने के कारण 27 अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सी.एम. हेल्पलाईन में शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण नहीं करने के कारण संबंधित अधिकारियों को एक वेतनवृद्धि रोकने हेतु कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया। दिनांक 20 मई को समीक्षा के दौरान कार्यपालन यंत्री जल संसाधान विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक, प्रभारी अधिकारी जिला हाथकरघा विभाग, श्रम पदाधिकारी श्रम आयुक्त कार्यालय, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, सहायक यंत्री लोक निर्माण विभाग उपखण्ड (मझौली, सीधी, रामपुर नैकिन), सहायक यंत्री मकैनिकल विंग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखण्ड सीधी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत (सीधी, रामपुर नैकिन, कुसमी, मझौली, सिहावल), मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद चुरहट, खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकास खण्ड (रामपुर नैकिन, मझौली, सिहावल, कुसमी, चुरहट, सीधी), खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन, वन परिक्षेत्र अधिकारी वन परिक्षेत्र (टमसार, व्यौहारी बफर, दुबरी संजय टाईगर रिजर्व सीधी) की स्थिति संतोष जनक नहीं पाए जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

उपरोक्तानुसार विभाग की ग्रेडिंग सी, डी होने के जिले की भी ग्रेडिंग प्रभावित हो रही है। शिकायतों के निराकरण मे रूचि नहीं लिये जाने के कारण शिकायतें अकारण उच्च स्तर पर अंतरित हो रही हैं। उपरोक्त कृत्य से स्पष्ट है कि संबंधित के द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में जानबूझकर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है, जो म.प्र.सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 9 (क) के प्रतिकूल है। नोटिस प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर उपरोक्त शिकायतों के निराकरण कर प्रतिवेदन सहित जवाब प्रस्तुत करना होगा कि संबंधित के विरूद्ध क्यों न एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्यवाही हेतु प्रस्तावित किया जावे। नियत अवधि में जवाब प्रस्तुत न करने की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

लोक सेवा केंद्रों की तकनीकी रूप से पात्र एवं अपात्र निविदाकारों की दावा आपत्ति कार्यालयीन मेल के माध्यम से 23 मई तक आमंत्रित

सीधी। अध्यक्ष लोक सेवा निविदा समिति एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया है कि जिले में संचालित एक लोक सेवा केंद्र रामपुर नैकिन एवं एक नवीन लोक सेवा केन्द्र मडवास के लिये कार्यालयीन विज्ञप्ति दिनांक 15 जनवरी 2025 के द्वारा उक्त लोक सेवा केन्द्रों की निविदा दिनांक 04 फरवरी 2025 तक आमंत्रित की गई थी। दिनांक 06 फरवरी 2025 को समय 3.30 बजे प्राप्त निविदाओं को खोले जाने पर कुल 258 निविदाएं प्राप्त हुई हैं जिनमें से लोक सेवा केन्द्र रामपुर नैकिन में 138 तथा लोक सेवा केन्द्र मड़वास में 120 निविदाओं की तकनीकी निविदा खोला जाकर परीक्षण उपरान्त सम्पन्न सूची अनुसार 193 निविदाओं में कमियां पाई गई हैं, जिसके कारण उन्हें तकनीकी रूप से अपात्र एवं 65 निविदाओं में कोई कमियां नही पायी गई हैं, जिसके कारण उन्हे तकनीकी रूप से पात्र पाया गया है। आर.एफ.पी की कण्डिका 2.15.3 अनुसार दो दिवस अर्थात् दिनांक 23.05.2025 को सायं 4 बजे तक तकनीकी रूप से पात्र/अपात्र निविदाकारों की दावा आपत्ति कार्यालयीन मेल के माध्यम से आमंत्रित की गई है।

फाइलों को देखकर जारी होते हैं वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र

जिला परिवहन कार्यालय में मनमानी, चल रहा बाबू राज

सीधी

जिले में परिवहन विभाग का भ्रष्टाचार सिर्फ ड्राइविंग लाइसेंस तक ही सीमित नहीं है। बल्कि भ्रष्टाचार की आंच वाहनों के फि टनेस जांच तक फैली हुई है। बताया गया है कि यहां वाहनों की फि टनेस जांच में भी जमकर धन उगाही होती है। फिटनेस बनवाने की आस लिए लिए परिवहन कार्यालय आने वाले वाहन स्वामियों को अपनी जेबे ढीली करनी पड़ रही हैं। ऐसा भी नही कि जिन वाहनों की कंडीशन बेहतर है तो उन्हें फिटनेस के लिए चढ़ोत्री नहीं चढ़ानी पड़ती, परिवहन अधिकारी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वाहन चाहे पुराना हो या नया, फिटनेस बनवाना है तो पैसे देने पड़ेंगे। परिवहन कार्यालय में जारी इस प्रकार की मनमानी से वाहन स्वामियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हे। अर्थात परिवहन कार्यालय में इन दिनों ड्राइविंग लायसेंस बनवाने से लेकर फिटनेस आदि मे रिश्वत के तौर पर जमकर लूट की जा रही है। कार्यालयों में तैनात पटल कर्मचारी बाबू अपने एजेंटों के माध्यम से लाइसेंस बनवाने वाले अभ्यर्थियों और फि टनेस जांच कराने वाले वाहन स्वामियों को अपने झांसे में लेते हैं। पांच से दस हजार रुपये लेकर लाइसेंस और फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करते हैं। इस सिस्टम में पटल कर्मचारी और उनके एजेंट ही नहीं बल्कि अफसर भी शामिल हैं। जिनके टेबल तक सुविधा शुल्क का कमीशन पहुंचता है। जानकारों के अनुसार वाहन प्राइवेट बसें, स्कूल बसें, ट्रक हो या जीप और टैक्सी। सडक़ों पर दौडऩे वाली व्यावसायिक गाडिय़ां कागजों में तो फि ट रहती हैं लेकिन अधिकतर का न लाइट सही होता है और न इंजन। सडक़ों पर धूआं देती हुई चलने वाली इन गाडिय़ों में परावर्ती टेप तक नहीं लगा होता है। यह तब है जब सरकार वाहनों के फि टनेस को लेकर बेहद सतर्क है। अब तो अपनी आयु पूरी करने वाले वाहनों को स्क्रैप कबाड़ घोषित करने की योजना शुरू हो गई है। लेकिन परिवहन विभाग की मनमानी शासन के दिशा-निर्देशों पर भारी पड़ रही है।

वाहनों को देखने की जहमत भी नहीं उठाते

बता दें कि जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन के फिटनेस आदि के लिए रिश्वत के तौर पर रकम दे दी जाती है, उनकी फिटनेस देखने की परिवहन अधिकारी कर्मचारी जहमत तक नहीं उठाते। अर्थात वाहन को बिना देखे ही उनके प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं। इसका फायदा वो वाहन स्वामी उठा रहे हैं जिनके वाहन कंडम होने के चलते सडक़ पर चलने लायक नहीं हैं। आये दिन हो रही सडक़ दुर्घटनाओं के पीछे परिवहन विभाग की लापरवाही प्रमुख मानी जा रही है।

फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए होती है इनकी जांच

जानकारों की मानें तो वाहन फिटनेस गाड़ी का इंजन, हार्न, आगे और पीछे की लाइट व इंडीकेटर, सीट, फाग लाइट, फस्टेड बाक्स, रिफ्लेक्टर, सफ ाई, डेंट-पेंट तथा नंबर प्लेट आदि की जांच होती है। लेकिन यहां परिवहन अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा वाहनों की जांच नहीं की जाती। रिश्वत लेने के बाद सब कुछ ओके कर दिया जाता है।

ऐसे बनता है फि टनेस प्रमाण पत्र

व्यावसायिक वाहनों के पंजीकरण के समय ही बनता है दो साल के लिए फि टनेस प्रमाण पत्र। दो साल के बाद प्रत्येक वर्ष जांच के बाद एक वर्ष के लिए फि टनेस प्रमाण पत्र बनता है। वहीं गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए 15 साल के लिए फि टनेस प्रमाण पत्र बनाया जाता है।

आरोपी को 2 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

सीधी। सहायक मीडिया सेल प्रभारी, अभियोजन श्री ओमप्रकाश बागरी, एडीपीओ द्वारा बताया गया कि दिनांक 17.08.2018 को ग्राम सजवानी थाना अमिलिया में अभियोक्त्री की माँ ने इस आशय कि रिपोर्ट कि वह अमिलिया बाजार में मजदूरी करने आई थी उसकी लड़की घर पर थी। जब वह अमिलिया बाजार से करीबन 05 बजे शाम को वापस घर गई तो देखी कि उसकी लड़की घर पर नहीं थी तब वह अपने बच्चों से पूछी की अभियोक्त्री कहां गई तब उसके बच्चे ने बताया कि वह कोदौरा बाजार गई है। रात तक जब अभियोक्त्री घर नही आयी तब वह आस पडोस रिश्तेदारी में पता तलाश की, तो कोई पता नहीं चला।

कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले गया था। फरियादी की उक्त शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध थाना अमिलिया के अपराध क्रं. 234/2019 अंर्तगत धारा 363 भा.द.सं. का गुमशुदा प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।दौरान विवेचना ज्ञात हुआ कि घटना दिनांक को अभियोक्त्री धान लगाने के लिए अपनी सहेली के साथ खेत में गई थी, जहां उसे अभियुक्तत निवासी गजरहा मिला था, जिसे अभियोक्त्री डेढ वर्ष पूर्व से जानती थी। अभियुक्त अभियोक्त्री को अपने साथ लेकर चितरंगी चला गया था। प्रकरण की संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्या यालय सीधी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन प्र.क्र. 1086/2019में शासन की ओर से सशक्तर पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री गरूण कुमार कोल के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप माननीय न्यानयिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, सीधी की न्यातयालय के द्वारा अभियुक्तत आयु 21 वर्ष,निवासी- गजरहा, थाना बहरी, जिला सीधी (म.प्र.)को 363 भा.द.सं.02 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये अर्थदंड से दंडित किया गया।

लोगों की स्वास्थ्य रक्षा एवं स्वावलंबी बनाने में जुटे मृगेन्द्र

सीधी। लोगों की स्वास्थ्य रक्षा एवं स्वावलंबी बनाने में सीधी जिले के रघुनाथपुर निवासी मृगेन्द्र गौतम पूरी तन्मयता के साथ जुटे हुए हैं। बकौल मृगेन्द्र गौतम के वे करीब 5 वर्ष से आरसीएम से जुडे हुए हैं। यह राइट, कान्सेप्ट मार्केटिंग है, जो कि स्वास्थ्य रक्षा, स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण में कार्य करती है। आरसीएम से जुडऩे पर रायल्टी जैसी इनकम भी मिलती है। उनको वर्ष 2019 में आरसीएम के संबंध में जानकारी मिली जिसके बाद उन्होने एक साल तक मन लगाकर पढ़ाई की और पूरी जानकारी हांसिल किए।

आईटीआई प्राचार्य बने विवेक सिंह

सीधी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कुसमी में प्रशिक्षण अधिकारी के रूप में पदस्थ विवेक सिंह का चयन एमपीपीएससी के माध्यम से आईटीआई प्राचार्य के रूप में हुआ है। विवेक सिंह के चयन पर उनके शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। विवेक सिंह पिता ईश्वरदीन सिंह निवासी ग्राम बहरी, जिला रीवा वर्ष 2017 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रशिक्षण अधिकारी के रूप में चयनित हुए थे। एमपीपीएससी परीक्षा 2023 में चौथी रैंक हासिल करते हुए विवेक सिंह प्रथम श्रेणी अधिकारी के रूप में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य पद हेतु चयनित हुए हैं। उनके चयन पर शुभम सिंह, मनीष धुर्वे, अभिषेक सिंह, रविकांत शुक्ला, दिनेश प्रजापति, लवकेश पटेल, नीरज शर्मा, दीपांजय गौतम, कुनसतलाल प्रजापति, योगेश कुशवाहा और अमन विश्वकर्मा सहित अन्य साथी कर्मचारी एवं सहयोगियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि दिनांक 29 मई से 12 जून 2025 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन खरीफ पूर्व किया जाना प्रस्तावित है, उक्त अभियान अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्य की योजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधानों, उन्नत कृषि/ उद्यानिकी /पशुपालन/ मत्स्य/ कृषि अभियांत्रिकी की तकनीकियों एवं कृषकों द्वारा किये जा रहे नवाचारों इत्यादि के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं तकनीकी हस्तांतरण के लिए उक्त अभियान के अन्तर्गत प्रतिदिन ग्राम पंचायतों पर निर्धारित रूट चार्ट अनुसार अभियान का क्रियान्वित किया जाना है।

इस हेतु स्थानीय स्तर पर उक्त अभियान के कार्यक्रम में संबंधित ग्राम पंचायतों के मैदानी अमले (पंचायत सचिव/ रोजगार सहायक/ कोटवार) की निर्धारित स्थान एवं दिनांक को उपस्थिति के लिए आदेशित किया गया है।

उन्होंने वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, उप संचालक पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त, सहायक संचालक मत्स्य, सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड को निर्देशित किया है कि अपने स्तर से अपने-अपने विकास खण्डों में निर्धारित रूट चार्ट एवं निर्धारित प्रपत्र अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों के मैदानी अमलों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें एवं की गई कार्यवाही से अभियान के नोडल कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला सीधी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जिला सीधी अनिवार्य रूप से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

कार्यालय कलेक्टर/भू-अर्जन अधिकारी जिला-सीधी (म0प्र0)

पत्र क्र0. 853 ...../भू-अर्जन/प्रवा./2024/ सीधी दिनांक 20/05/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रयनीति आदेश एफ 12-2/2014/सत/2ए/भोपाल दिनांक 12.11.2014 के अन्तर्गत निजी भूमि का शासकीय प्रयोजन हेतु क्रय किए जाने हेतु विचार किया जा रहा है जिनका विवरण नीचे दर्शाया गया है। भूमियों के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो दिनांक 04/06/2025 तक कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) सीधी में आधार सहित प्रस्तुत करें । नियत दिनांक 04/06/2025 तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर भूमि क्रय करने की कार्यवाही की जावेगी।

भूमि का विवरणः-

जिला	तहसील	नगर/ ग्राम	आराजी नं.	रकवा हे.	भू-धारक का नाम व पता	राज्य शासन के विभाग उपक्रम का नाम	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
सीधी	बहरी	खैरा	388	0.0600	शिवप्रताप सिंह पिता नोखेलाल सिंह बाबूलाल सिंह पिता नोखेलाल अम्बिकेश सिंह पिता नोखेलाल सिंह रामपाल सिंह पिता नोखेलाल सिंह	कार्यपालन यंत्री महान नहर संभाग सीधी जिला-सीधी (म.प्र.)	बहरी नहर विस्तार योजना (द्वितीय चरण) के मुख्य नहर निर्माण हेतु
			419/1	0.0400	छोटावक्स पिता अकबर		
		योग	2 किता	**0.1000 Ha.**			

(एम.के. परते)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग सीधी (म.प्र.)

जी-13223/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, म.प्र. लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) सीधी संभाग सीधी

Website - www.mppwd.gov.in/pwdmp, email - eepwdsidhi@mp.nic.in

नि सू क्र. 04/2025-26 सीधी, दिनांक 20.05.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यो हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संसोधनों सहित के आधार पर, प्रपत्र - 'अ' में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों, से आमंत्रित की जाती है :-

यूप क्र.	टेंडर आई0डी0	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रु लाख में)	1.. अमानत राशि 2.. नि. प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्रमांक 2. कार्यावधि
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB_422299	उपसंभाग सीधी के अन्तर्गत बारी पनियरा मार्ग में पैच मरम्मत का कार्य (अनुबंध क्र. 42 वर्ष 2018-19 दिनांक 08.08.2018 के परकारमेन्स गारंटी अन्तर्गत) लो0नि0वि0, सड़क एस.ओ.आर. 11.04.2025	10.87	1. 21740 2. 2000	1. प्रथम आमंत्रण 2 02 माह
		योग :-	10.87		

1. ऑन लाइन पोर्टल http://mptenders.gov.in के माध्यम से निविदा प्रपत्र क्रय करने, डाउनलोड एवं निविदा डालने का समय एवं दिनांक 27.05.2025 सुबह 10.30 से 09.06.2025 शाम 5.30 तक है।
2. अमानत राशि, केन्द्रीयकृत पी.डब्लू.डी. पंजीयन, शपथ पत्र, जी.एस.टी.एन. एवं अन्य अभिलेख (लिफाफा-अ), सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जा सकते है।
3. निविदा से संबंधित सशोधन, समय परिवर्तन आदि की सूचना केवल वेबसाइट के माध्यम से दी जावेगी।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

(एम.के. परते)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग सीधी (म.प्र.)

जी-13224/25

संपादकीय

पाकिस्तान के लिए जासूसी

भारत में पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रही एक महिला की गिरफ्तारी चिंता का विषय है। पाकिस्तान की करतूतें किसी से छिपी नहीं हैं। आतंकवादियों को पालने और सीमा पर तनाव बढ़ाने के साथ एक के बाद एक वह साजिशें रचता रहा है। इसमें वह भारतीय नागरिकों को बहला-फुसला या किसी तरह फंसा कर खुफिया जानकारियां जुटाने का प्रयास करता रहा है। बीते कुछ दशक में उसने अपना यह जासूसी संजाल मजबूत कर लिया है।'आपरेशन सिंदूर' के बाद चलाए गए विशेष अभियान के तहत जिस तरह एक के बाद एक पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे लोग गिरफ्तार हो रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि उसका संजाल काफी फैला हुआ है। पर सवाल यह भी उठता है कि भारतीय खुफिया एजंसियों की जो सतर्कता अब दिखाई दे रही है, वह पहले क्यों नहीं थी। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को दुश्मन देश की खुफिया एजंसियां 'अपने संपर्क' के तौर पर काफी समय से तैयार कर रही थी।हैरानी है कि इसकी भनक भारतीय एजंसियों को इतनी देर से क्यों लगी? इसके अलावा कई भारतीयों का आइएसआइ के संपर्क में आना गंभीर खतरे की ओर इशारा करता है। एनआइए ने कैथल में एक पाक जासूस को पकड़ा, तो पंजाब पुलिस ने सैन्य जानकारी साझा कर रहे गुरदासपुर के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब तो जासूसी की जांच उत्तर प्रदेश के रामपुर तक जा पहुंची है।ऐसा लगता है कि पहलगाम आतंकी हमले के पहले से पाकिस्तान, भारत में जासूसों का जाल बना रहा था। अगर वह ऐसा कर रहा था, तो इस कड़ी को पकड़ने में चूक कैसे हुई। अगर यह दावा किया जा रहा है कि आतंकी हमले से पहले ज्योति मल्होत्रा पहलगाम गई थी, तो यह निश्चित रूप से गंभीर मामला है और इसकी तह में जाने की जरूरत है। कुछ जासूसों का राजनीतिक संपर्क भी देखा गया है।डीआरडीओ के एक वैज्ञानिक की गिरफ्तारी को लोग आज भी नहीं भूले हैं। तब उसकी राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल भी उठा था। जासूसों को वीजा कौन और कैसे दिलवाता है, इसकी जांच भी होनी ही चाहिए।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्रोत से ही प्राप्त होगी।

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा। अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमली जामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी।

ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है। दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें

प्रमुखतः कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेढ़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है। हांलाकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेंकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है। नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमशः है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडु के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रिका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है।

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा। हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारें अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यइ सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बांग्लादेश को 6415 करोड़ का झटका ताकि यूनुस सरकार का दिमागी बैलेस ठीक रहे

रामस्वरूप रावतसरे

भारत ने बांग्लादेश से आने वाले कई उत्पादों पर पाबंदियाँ लगाई है। इससे बांग्लादेश को करीब 770 मिलियन डॉलर (करीब 6415 करोड़ रुपए) का आर्थिक नुकसान हो सकता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव बांग्लादेश के गारमेंट और प्रोसेस्ड फूड आइटम्स के उद्योग पर पड़ेगा। इस्लामी सरकार के नेतृत्व में गंभीर आर्थिक चुनौतियों और आंतरिक अस्थिरता से जूझ रहे बांग्लादेश के लिए यह किसी झटके से कम नहीं है।

बिजनेस थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की 18 मई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट में भारत की ओर से लगाई गई पाबंदियों से बांग्लादेश को यह नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। यह उसके कुल आयात का करीब 42 प्रतिषत है। इन पाबंदियों के तहत कई उत्पादों का कारोबार अब सड़क मार्ग की जगह केवल निश्चित किए बंदरगाहों तक सीमित कर दिया गया है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के निर्देश पर 18 मई 2025 से बांग्लादेश से आयातित कई श्रेणियों के सामानों पर तत्काल बंदरगाह प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इस निर्णय के तहत प्रमुख वस्तुएँ जैसे वस्त्र, तैयार खाद्य पदार्थ, प्लास्टिक और पीवीसी उत्पाद और लकड़ी का फर्नीचर अब केवल चुनिंदा समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे जबकि भूमि मार्गों से इनका आयात पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। नई नीति के अनुसार, बांग्लादेश से आने वाले कपड़े जो करीब 618 मिलियन डॉलर (करीब 5130 करोड़ रुपए) के होते हैं, अब केवल दो बंदरगाहों के जरिए ही भारत में लाए जा सकेंगे। इनके सड़क मार्ग से आयात पर पाबंदी लगा दी गई है। इसी तरह की पाबंदी फूड प्रोसेस्ड आयटम, फ्रूट ड्रिंक्स, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, कपास और अन्य प्रसंस्कृत उत्पादों पर भी लगाई गई है।

जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स का आयात अब किसी भी सड़क मार्ग से नहीं होगा। इनका आयात अब केवल मुंबई के न्हावा शेवा और कोलकाता के समुद्री बंदरगाहों से ही होगा। इसके अतिरिक्त असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के किसी भी भूमि सीमा शुल्क स्टेशन (एलसीएस)/एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी), तथा पश्चिम बंगाल में चंगराबांधा और फुलबारी के एलसीएस के माध्यम से फ्रूट्स ड्रिंक, कार्बोनेटेड पेय, बेक्ड सामान, स्नैक्स, चिप्स, कन्फेक्शनरी, कपास और सूती धागे, प्लास्टिक, पीवीसी और लकड़ी का फर्नीचर आयात करने पर पाबंदी लगाई गई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय कपड़ा निर्माता लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहे हैं कि बांग्लादेशी प्रतिस्पर्धियों को अनुचित लाभ मिल रहा है। उन्हें चीन से बिना शुल्क के कपड़ा आयात और सरकारी निर्यात सब्सिडी का फायदा मिलता है जिससे वे भारतीय बाजार में 10-15 प्रतिषत तक सस्ती दरों पर सामान बेच पाते हैं।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने नई पाबंदी इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखकर लगाए हैं। ये प्रतिबंध चीन की ओर बांग्लादेश के बढ़ते कूटनीतिक झुकाव के प्रति भारत की प्रतिक्रिया भी है। इस साल फरवरी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कपड़ा मंत्रालय के बजट में 19 प्रतिशत की वृद्धि की थी जिससे उद्योग को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिला है। वित्त वर्ष 2024-25 के 4417.03 करोड़ रुपए की तुलना में अब मंत्रालय को 5272 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके साथ ही सरकार ने कपास उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 5 वर्षीय कपास मिशन शुरू करने की घोषणा भी की है। पूर्व में बांग्लादेश कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था लेकिन वहाँ का कपड़ा क्षेत्र इस समय वित्तीय संकट, बिजली की कमी और बढ़ती हिंसा जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद स्थिति और अधिक खराब हो गई है। इस पृष्ठभूमि में भारत के पास अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, इटली और नीदरलैंड जैसे प्रमुख बाजारों में कपास और वस्त्र निर्यात बढ़ाने का मौका है। ऐसे में भारत उन सभी रणनीतिक कदमों को अपना रहा है जिनसे बांग्लादेश से हट रहे वैश्विक व्यापार को अपनी तरफ किया जा सके। भारत द्वारा बांग्लादेशी सामानों पर पाबंदी लगाने के फैसले को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की विवादास्पद टिप्पणी की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है। चीन में दिए गए एक भाषण के दौरान यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लैंड लॉकड बताते हुए बांग्लादेश को समंदर का इकलौता गार्जियन बताया था।

वर्ग पहेली 5739

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिंदी साहित्यकार (8)
7. ताकत सहित, बलवान, ताकतवर (3)
8. आपस में गुथी एवं फैली हुई चीजों का विस्तार (2)
9. निग्रह, दो की संख्या, मृत्युदेव (2)
11. रिपोर्ट का अपभ्रंश, फिसलाहट (3)
12. सिख संप्रदाय के आदि गुरू (3)
13. एक दिवंगत हास्य अभिनेता जिन्होंने (1937 से 1989 के बीच 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया) (2)
15. युद्ध, लड़ाई, रण, संग्राम (3)
16. विशाल भूभाग में फैलाना (4)
18. इंद्रधनुष में रंगों की संख्या (2)
19. नतीजा, परिणाम, सुख-दुख का भोग (2)
20. जलीय अंश, शोरबा (2)
22. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
23. कार्यालय, ऑफिस (3)

ऊपर से नीचे

1. सुलोचना, सुंदर नेत्रों वाली (4)
2. अनिष्ट का डर या खौफ, कष्ट (2)
3. संख्या सूचक अंक, अदद, संख्या (3)
4. गिरोह का मुखिया (4)
5. पांच उंगलियों सहित हथेली का अगला भाग (2)
6. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
10. मन के अनुसार, मन के अनुकूल (5)
13. आने-जाने का भाव या क्रिया (5)
14. शिष्टता, नम्रता, यह धर्मेंद्र के साथ हेमामालिनी की पहली फिल्म थी (4)
17. कमल, लोहे का अर्द्धचंद्राकार टुकड़ा, कुमुद आदि फूलों की लंबी व खोखली नली या डंडी (2)
18. परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति, मित्र, सखा (2)
21. महाशय या श्रीमान का अंग्रेजी में यह कहते है (2)
20. भिन्न का नीचे का अंक, प्रत्येक (2)
22. बुनियाद, नींव, जड़ (2)

वर्ग पहेली 5738 का हल

म	ई			ग	ध		आ
ह		म		ड	र		ज
ज	न	क		क	ना	ग	त
	दा	स	ती			वा	क
ना	र	द		स	म	क्ष	
जु			अ	त	ल		कु
क	ह	र	वा		मा	मू	ली
ता	र		म		स	ल	

देश के आइकन्स को ट्रोल करने की यह कैसी सोच?

राजीव खंडेलवाल

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 एक नागरिक को ''जीने के अधिकार'' प्रदान करता है। उस अधिकार में 'मानवीय गरिमा' के साथ मनुष्य के जीवन को सार्थक, पूर्ण तथा जीने योग्य बनाने वाले समस्त पहलू शामिल हैं। अतः देश का संविधान निःसंदेह प्रत्येक नागरिक को 'सम्मान से जीने का अधिकार' देता है, जिसकी रक्षा का दायित्व कार्यपालिका व न्यायपालिका पर है। फलतः संविधान किसी भी व्यक्ति को एक नागरिक के सम्मान पर जाति, धर्म के आधार पर चोट पहुंचाने की अनुमति नहीं देता है। यह सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों के जीने अधिकार की रक्षा कर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने देने की परिस्थितियां निर्मित सुनिश्चित करें। तदनुसार प्रत्येक नागरिक को 'असम्मान के कटघरे के घेरे से सुरक्षा प्रदान करें।' हालांकि 'ख़लक का हलक़ किसी ने बंद नहीं किया है' लेकिन जो देश के 'फलक' पर गंदी इबारतें लिख उसका सम्मान घटाये, उसे संविधान की ''हनक'' दिखानी भी जरूरी है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, शहीद नरवाल की विधवा हिमांशी नरवाल, लखनऊ विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी, भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर जैसे 'आईकॉन' व प्रतिष्ठित नागरिक हों, जिनको बेशर्मी के साथ सोशल मीडिया पर निम्न से निम्नतम स्तर पर जाकर चारित्रिक हनन करके बेरोक-टोक ट्रोल किया जा रहा हो और सरकार है कि 'खूब पर्दा है कि चिलमन से लगे बैठे हैं, साफ छुपते भी नहीं सामने आते भी नहीं'' की मुद्रा में हाथ पर हाथ धरी बैठी हुई है। जिस प्रकार चुप रहना ''सहमति'' मानी जाती है, जिसे कहते हैं 'खामोशी नीम रजा', उसी प्रकार 'कुछ कार्रवाई न करना' भी क्या उक्त ट्रोलिंग टीम के लिए सरकार की ''सहमति'' मानी जाए? यानी कि ''सैंया भए कोतवाल तो फिर .....''। संघर्ष विराम का निर्णय सरकार का! फिर सेना व सरकार के अधिकारियों को ट्रोल क्यों।

आईये! कुछ प्रकरणों का अध्ययन करें व स्थिति समझने का प्रयास करें। ''ऑपरेशन सिंदूर'' के प्रारंभ होते ही संघर्ष विराम तक सेना की लगातार तीन दिन व उसके बाद भी ''प्रेस ब्रीफिंग'' विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह, नपे तुले शब्दों में प्रभावी रूप से कर रही थी। भारत सरकार इस टीम को सामने लाकर देश की साम्प्रदायिक सद्भावना को भंग करने के पाकिस्तान के कुत्सित प्रयासों के जवाब का एक 'सांकेतिक संदेश' भी सफलतापूर्वक दे रही थी। इस देश में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर खूब सराहा भी गया। परन्तु अचानक भारतीय सेना की जीत की अवस्था, स्थिति के समय पर अप्रत्याशित ''संघर्ष विराम'' की घोषणा होने के कुछ समय पश्चात ही सोशल मीडिया पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी व कर्नल सोफिया को अपमानित कर बुरी तरह से ट्रोल किया जाने लगा। जबकि वस्तुतः वे संघर्ष विराम की जानकारी देते समय भारत सरकार व सेना का एक अंग होकर मात्र अपना कर्तव्य निभा रहे थे। 'संघर्ष विराम' का निर्णय विदेश सचिव या कर्नल सोफिया कुरैशी या सेना के स्तर पर न होकर राजनैतिक स्तर पर हुआ था।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन करियर और वित्तीय दृष्टि से अत्यंत अनुकूल है। आपको कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे पदोन्नति के द्वार खुलेंगे। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। जो लोग बिजनस में हैं, उन्हें किसी महत्वपूर्ण सौदे से लाभ होने की संभावना है। रुके हुए सरकारी या कानूनी कार्यों में भी सफलता मिलेगी।

वृष

आज मेहनत का भरपूर फल मिलेगा। जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए कोई शुभ समाचार आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और किसी महत्वपूर्ण परियोजना में आपकी भूमिका बढ़ सकती है। व्यापार में आज साझेदारी से अच्छा मुनाफा होगा।

मिथुन

आज दिन मिश्रित फलदायक है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा अधिक रहेगी और सहयोगियों से असहमति हो सकती है। बिजनस में अचानक कोई निर्णय लेने से बचें, वरना नुकसान हो सकता है।

कर्क

आज दिन आर्थिक तरक्की और करियर में उन्नति का संकेत दे रहा है। जॉब में कार्यभार बढ़ सकता है लेकिन आपके प्रदर्शन की तारीफ होगी। जो लोग विदेश से जुड़े व्यवसाय में हैं, उन्हें बड़ा लाभ हो सकता है।

सिंह

आज अपने कार्यस्थल पर सतर्क रहना होगा। आपके विरोधी सक्रिय हैं और आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि दिन के अंत में मेहनत रंग लाएगी और कोई अप्रत्याशित लाभ संभव है। सरकारी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

कन्या

आज दिन प्रगति का है। पुराने अधूरे काम पूरे होंगे और नए प्रॉजेक्ट्स के लिए प्रस्ताव आ सकते हैं। कला, लेखन, मीडिया या अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलेगी। फ्रीलांसिंग या दूरस्थ कार्यों में धन की प्राप्ति के योग हैं।

तुला

आज दिन आर्थिक रूप से बेहतर साबित हो सकता है, बशर्ते आप जोखिमों का आंकलन करें। कुछ पुराने निवेश लाभ दे सकते हैं। कार्यस्थल पर किसी वरिष्ठ अधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आपका व्यवहारिक रवैया स्थिति को नियंत्रित करेगा।

वृश्चिक

आज अपने कार्य और पारिवारिक जिम्मेदारियों में संतुलन बनाए रखना होगा। ऑफिस में किसी प्रॉजेक्ट में आपकी भूमिका अहम रहेगी, पर तनाव भी रहेगा। बिजनस में फंडिंग या कर्ज से संबंधित कोई निर्णय लेना पड़ सकता है।

धनु

आज दिन रणनीतिक फैसलों के लिए श्रेष्ठ है। आपकी लीडरशिप क्षमता निखरकर सामने आएगी। जो लोग प्रतियोगी परीक्षा या इंटरव्यू की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलने के संकेत हैं। विशेषकर व्यापारियों को नए कॉन्ट्रैक्ट मिल सकते हैं।

मकर

आज दिन व्यस्तता और जिम्मेदारियों से भरा होगा। कार्यस्थल पर आपकी योग्यता की परीक्षा हो सकती है। अतिरिक्त कार्यभार या किसी सहकर्मी की अनुपस्थिति के कारण आपका दिन काफी व्यस्त रहेगा। हालांकि इससे आपकी नेतृत्व क्षमता को सराहा जाएगा।

कुंभ

आज दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में बक्योंकि वे आपको बेवजह के कार्यों में उलझा सकते हैं। उच्चाधिकारियों से संवाद में पारदर्शिता रखें। बिजनस में कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है लेकिन भुगतान में देरी संभव है। यात्रा से लाभ हो सकता है। घरेलू खर्च बढ़ने के योग हैं, अतः बजट का ध्यान रखें।

मीन

आज दिन करियर और आर्थिक रूप से उन्नतिदायक है। व्यापार में विस्तार की योजना आज मूर्त रूप ले सकती है। नौकरी में प्रमोशन या इनक्रीमेंट की संभावना बन रही है। रुका हुआ भुगतान मिल सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल प्रदेश में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू का खतरा, सूअरों की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के पशुपालन विभाग ने राज्य में स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने के बाद सूअरों की खरीद-बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। हाल ही में बिलासपुर के झंडूता उपमंडल की कोलका पंचायत में अफ्रीकी स्वाइन फ्लू से संक्रमण का मामला सामने आने के बाद ये आदेश जारी किए गए। इस संक्रमण के कारण एक सूअर पालन केंद्र में 36 सूअरों की मौत हो गई थी जबकि चार को विभाग ने नियमानुसार मार दिया था। पशुपालन विभाग ने सूअर पालन केंद्र को खाली कराकर सैनिटाइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि पशु औषधालय दसलेहरा के अंतर्गत आने वाले इस फार्म में कुल 40 सूअर पाले गए थे।

केंद्रीय मंत्री आठवले ने पीओके को वापस लेने के लिए निर्णायक लड़ाई का आह्वान किया

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सरकार से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने के लिए निर्णायक लड़ाई शुरू करने की बुधवार को मांग की और इस बात पर बल दिया कि कूटनीतिक प्रयासों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि पीओके को भारतीय नियंत्रण में वापस लाया जाना चाहिए। आठवले ने कहा कि सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकना एक सही कदम नहीं था। उन्होंने कहा, ''सैन्य कार्रवाई को रोकना अच्छी बात नहीं थी। आतंकवादियों के खिलाफ भारत सरकार की कार्रवाई बंद नहीं हुई है। हमारे रक्षा बल आतंकवादियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी 'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' (आठवले) के प्रमुख ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम शहर में हुए आतंकवादी हमले के बाद मोदी सरकार की त्वरित जवाबी कार्रवाई की प्रशंसा की।

दुष्कर्म के मामलों में तीन दोषियों को 20-20 साल की कैद और जुर्माने की सजा

बहराइच, एजेंसी। बहराइच और श्रावस्ती जिलों की विशेष अदालतों ने दुष्कर्म के अलग-अलग मामलों में आरोपी तीन लोगों को दोषी करार देते हुए उन्हें 20-20 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। बहराइच जिले में विशेष जिला शासकीय अधिवक्ता (पाक्सो अधिनियम) संत प्रताप सिंह ने बृहस्पतिवार को पीटीआई- को बताया कि 19 जनवरी 2018 को कैसरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 14 वर्षीय बालिका को लाले उर्फ राकेश यादव तथा कल्लू उर्फ रामराज यादव बहला फुसलाकर ले गए और कई दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि बुधवार को विशेष अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) दीप कांत मणि की अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद लाले व कल्लू को 20-20 साल की कैद और 60-60 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। उधर, श्रावस्ती जिले में ऐसे ही एक मामले में पांच वर्ष पूर्व 15 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने के एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए पाक्सो अदालत ने बुधवार को 20 साल कैद व 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के. पी. सिंह ने बताया कि इकौना थाना क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी के साथ थाना क्षेत्र के सौरूपुर गांव के निवासी ओमकार पासवान ने 29 जुलाई 2020 की रात दुष्कर्म किया था। इस घटना से क्षुब्ध पीड़िता ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पीड़िता (मृतका) की मां की तहरीर पर 30 जुलाई 2020 को इकौना थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

गहलोत बोले-हम जादूगर हैं, ट्रिक करते हैं... डोटासरा को बताया सियासी ट्रिक का हिस्सा!

जयपुर, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में आयोजित राजीव गांधी पुण्यतिथि कार्यक्रम में अपने राजनीतिक अनुभवों, पार्टी में अपनी भूमिका और कांग्रेस के आंतरिक सियासी समीकरणों पर बेबाक टिप्पणी कर नई सियासी बहस छेड़ दी है। खास बात यह रही कि उन्होंने एक बार फिर अपने 'जादू' वाले अंदाज में सियासी संकेतों की ट्रिक दिखाई - इस बार निशाने पर रहे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और साल 2020 का पायलट खेमे का बगावती दौर। गहलोत ने कहा, तीन बार मुख्यमंत्री बनना बड़ी बात है। तीसरी बार तो आप जानते हैं... सरकार बच गई, वह तो चमत्कार ही था। यह तो हाईकमान का आशीर्वाद और आपकी दुआओं से ही संभव हो सका। वरना पांच साल पूरे करने का सवाल ही नहीं था। डोटासरा भी उसी की देन हैं। उनके इस बयान को सीधे तौर पर 2020 में सचिन पायलट खेमे की बगावत और उसके बाद बने सियासी हालात से जोड़कर देखा जा रहा है, जब पायलट को डिप्टी सीएम और प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाकर डोटासरा को अध्यक्ष बनाया गया था।

राजनीतिक विश्लेषक इसे गहलोत का एक 'मैसेज' मान रहे हैं

खासकर तब जब विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस राजस्थान में नए सिरे से समीकरण साध रही है। गहलोत के इस बयान को डोटासरा की भूमिका और उनके कद को फिर से 'री-डेफाइन' करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। गहलोत ने कहा, जितना मुझे मिला, उतना देश में बहुत कम नेताओं को मिला है। जब दिल्ली में नंबर एक और नंबर दो नेता सरकार गिराने पर आमादा हो जाएं, तो सरकारें गिरती हैं – मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र इसके उदाहरण हैं। लेकिन राजस्थान में सरकार बच गई, वो चमत्कार था। इसके साथ ही उन्होंने 'जादू' की अपनी चर्चित छवि पर भी तंजिया अंदाज में कहा, हम जादूगर हैं, हम ट्रिक करते हैं और लोग कहते हैं जादू हो गया। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) भी आज का जादू है। मैं खुद इसका खूब इस्तेमाल करता हूं और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भी कहता हूं कि इस चमत्कार को अपनाएं।

कार्यक्रम में गहलोत ने इंदिरा गांधी युग के नेताओं की स्थायी पकड़ और नई पीढ़ी की जरूरत पर भी बात करते हुए कहा, हमारी भी एक सीमा है। नई पीढ़ी आनी चाहिए, बदलाव जरूरी है। जो संभव है, वह हम कर रहे हैं। गहलोत की यह 'जादू भरी' टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में कई परतों वाली मानी जा रही है – जिसमें पुराने सियासी घाव भी हैं, वर्तमान समीकरण भी और भविष्य की चाल भी।

ईडी के रडार पर कर्नाटक के गृहमंत्री, मनी लॉन्ड्रिंग केस में अब घर पर हुई छापेमारी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय के रडार पर हैं। केंद्रीय एजेंसी ने गुरुवार को उनके ठिकानों पर छापेमारी की है। एक दिन पहले ही गृहमंत्री से जुड़े शिक्षण संस्थानों पर ईडी की टीम पहुंची थी। खबर है कि एक्ट्रेस रान्या राव के सोना तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी रेड कर रही है। पीटीआई भाषा के अनुसार, ईडी ने बुधवार को जी परमेश्वर से जुड़े शैक्षणिक संस्थानों सहित कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत राज्य में 16 स्थानों पर छापेमारी की गई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी हवाला ऑपरेटर और अन्य ऑपरेटर को निशाना बनाकर की गई, जिन्होंने राव के खातों में कथित तौर पर ''फर्जी'' वित्तीय लेनदेन किए थे।

जांच एजेंसी ने कुछ महीने पहले राव के मामले सहित भारत में बड़े सोना तस्करी रैकेट के संबंध में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए मामला दर्ज किया था। ईडी सूत्रों ने कहा कि एक शैक्षणिक ट्रस्ट पर संदेह है कि उसने कथित तौर पर एक प्रभावशाली व्यक्ति के निर्देश पर राव के क्रेडिट कार्ड बिल के लिए 40 लाख रुपये का भुगतान किया है। सूत्रों ने दावा किया कि ट्रस्ट परमेश्वर से जुड़ा हुआ है और ''प्रभावशाली'' व्यक्ति राजनीतिक शख्सियत है। उन्होंने बताया कि तलाशी में पाया गया कि इस भुगतान (क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान के लिए) को ''सत्यापित'' करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं मिला।

राजस्थान में क्यों राजपूत बनाम जाट कर रहे हैं हनुमान बेनीवाल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल इन दिनों खूब चर्चा में हैं। वजह है राजपूतों को लेकर उनकी आपत्तिजनक टिप्पणियां। पहले राजपूतों को लेकर बेटी वाली टिप्पणी और अब जाटों को सबसे बड़ा क्षत्रिय बताने वाले उनके बयानों के पीछे छिपी राजनीतिक वजहों की तलाश की जा रही है।

सांसद हनुमान बेनीवाल का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें सांसद बेनीवाल ये कहते नजर आ रहे है कि हिंदुस्तान में जाट सबसे बड़ा क्षत्रिय है, उसके बाद यादव, फिर गुर्जर हैं। इसके बाद पटेल, पाटिल और मराठे आते हैं, फिर तुम्हारा (राजपूतों का) नंबर आता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि जो लड़ा है वो क्षत्रिय है, क्षत्रिय कोई शब्द नहीं, वर्ण है राजस्थान की राजनीति में जातीय ध्रुवीकरण कोई नई बात नहीं, लेकिन हाल ही में नागौर सांसद और आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल के एक बयान से समुदाय में हलचल सी पैदा हो गई है।

यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, और इसके बाद राजपूत समाज में तीव्र आक्रोश देखने को मिला। राजपूत नेताओं और संगठनों ने इसे न सिर्फ एक जाति पर हमला, बल्कि संपूर्ण वीर जातियों का अपमान बताया। मारवाड़ राजपूत सभा भवन के सचिव केवी सिंह चांदरख ने इसे बेनीवाल की राजनीतिक हताशा का परिणाम बताया और चेतावनी दी कि सर्व समाज की बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेनीवाल का यह बयान यूं ही नहीं आया। यह 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए एक जातीय समीकरण गढ़ने की कोशिश का हिस्सा हो सकता है। जाट, यादव, गुर्जर, पटेल, पाटिल और मराठा–ये सभी सामाजिक रूप से प्रभावशाली जातियां हैं और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णायक वोटबैंक भी मानी जाती हैं। बेनीवाल इन जातियों को एक बहुजन क्षत्रिय फ्रेम में जोड़कर गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेस ध्रुवीकरण की रणनीति बना रहे हैं। हालांकि यह दांव उल्टा भी पड़ सकता है। राजस्थान में जाट और राजपूत दोनों ही समुदाय ऐतिहासिक रूप से ताकतवर रहे हैं और कई बार एक-दूसरे के विरोध में आ खड़े हुए हैं। इस बयान से राजपूत समुदाय में गहरी नाराजगी फैलना स्वाभाविक है, लेकिन इसके साथ ही यह राज्य के सामाजिक सौहार्द्र पर भी चोट करता है। कई राजपूत नेताओं ने इसे वीरभूमि का अपमान बताया है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि जनता पहले भी ऐसे बयानों का जवाब दे चुकी है और आगे भी देगी।

विश्लेषकों के मुताबिक, हनुमान बेनीवाल अपने राजनीतिक वजूद को बनाए रखने के लिए नई सामाजिक गोलबंदी की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पार्टी आरएलपी को पिछले चुनावों में सीमित सफलता मिली थी, और अब वे खुद को विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। इसके साथ ही, भाजपा और कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियां इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। भाजपा के आईटी सेल पर बेनीवाल द्वारा दूरी बढ़ाने का आरोप लगाना इस बात का संकेत है कि वह इस पूरे विवाद को पार्टी लाइन से ऊपर उठाकर जातीय ध्रुवीकरण के माध्यम से भुनाना चाहते हैं।

आखिरकार, यह कहना गलत नहीं होगा कि राजस्थान की राजनीति फिर उसी पुराने जातीय मोड़ पर लौट रही है, जहां बयानबाज़ी से न सिर्फ सामाजिक ताने-बाने को नुकसान होता है, बल्कि चुनावों का रुख भी तय होता है। अब देखना यह होगा कि यह विवाद किस दिशा में जाता है- समाधान की ओर या और गहराती खाई की ओर।

शिमला में संजौली मस्जिद के बाहर हंगामा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल की राजधानी शिमला के सबसे बड़े उपनगर संजौली में स्थित विवादित मस्जिद को लेकर एक बार फिर माहौल गरमा गया है। मंगलवार शाम हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के सदस्यों ने मस्जिद के बाहर सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध जताया। वे मस्जिद स्थल की ओर बढ़ रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें मौके पर जाने से रोका। इसके बाद उन्होंने सड़क पर ही बैठकर पाठ शुरू कर दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। संघर्ष समिति के सह-संयोजक विजय शर्मा ने कहा कि मस्जिद को अवैध घोषित किया गया है। ऐसे में इस विवादित स्थल पर किसी भी प्रकार की नमाज की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मस्जिद जिस भूमि पर यह बनी है, वह जमाबंदी में देवस्थान के रूप में दर्ज है। विजय शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर शुक्रवार को नमाज अदा की गई तो पूरे प्रदेश से सनातनी संजौली पहुंचेंगे और बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रशासन ने उन्हें हनुमान चालीसा पढ़ने से रोका है तो मुस्लिम समुदाय को भी वहां नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

बिजली-पानी काटने और आवाजाही पर रोक की मांग : वहीं देवभूमि संघर्ष समिति के एक अन्य सह-संयोजक मदन ठाकुर ने आरोप लगाया कि कुछ बाहरी लोग शिमला में अवैध रूप से रह रहे हैं और प्रशासन उन्हें रोकने में विफल रहा है। उन्होंने मांग की है कि विवादित मस्जिद स्थल की बिजली-पानी की आपूर्ति तत्काल काटी जाए और वहां आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। साथ ही उन्होंने चेताया कि यदि शुक्रवार को दोबारा नमाज हुई, तो वह अंतिम जुमे की नमाज होगी, इसके बाद संघर्ष से भी परहेज नहीं किया जाएगा। उन्होंने पूछा कि जब हिंदू समुदाय कानून का पालन कर रहा है तो मुस्लिम समुदाय को भी संविधान और इस्लाम के नियमों का पालन करना चाहिए।

पीलीभीत में बाघ की दहशत, चार दिन में ली दो जान, पिंजरा लगाकर पकड़ने को जुटा वन विभाग

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में बाघ की दहशत फैल गई है। चतीपुर क्षेत्र में बाघ का वीडियो वायरल होने के बाद से लोगों में बाघ को लेकर दहशत बढ़ी है। वहीं वन विभाग बाघ को पकड़ने की कवायद में लगा है। बाघ को पकड़ने के लिए टीमें जुटी हैं। वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और पिंजरा लगाकर बाघ को पकड़ने की कवायद चल रही है। बताया जा रहा है कि सेहरामऊ क्षेत्र में चार दिनों में बाघ अब तक दो किसानों की जान ले चुका है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत क्षेत्र की अन्य टीमों को भी बाघ को पकड़ने के लिए निगरानी और लोकेशन तलाशने के लिए लगाया गया है। जानकारी है कि बाघ गन्ने के खेत में बीते दिवस दौड़ लगाते दिखे चुका है। वन विभाग बाघ की घेराबंदी कर उसको पकने की योजना बना रहा है।

रेंजर का घेराव : सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में बाघ को लेकर लगातार लापरवाही बरतने के मामले में ग्रामीणों का रेंजर के प्रति अक्रोश थम नहीं रहा है। बुधवार को जब रेंजर गांव में पहुंचे तो ग्रामीण उग्र हो गए। ग्रामीणों के उग्र रूप को देखकर रेंजर मौके से निकल गए। बाघ को पकड़ने के लिए मिली अनुमति के बाद पिंजरा लगा कर टीमें निगरानी में जुटी हुई हैं ताकि सही लोकेशन लेकर अधिकारियों को भेजा जा सके। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव दुर्जनपुर और चतीपुर में चार दिनों के भीतर बाघ ने दो किसानों को मौत के घाट उतार दिया था। दोनों की घटनाओं में खुटार सामाजिक वानकी रेंज के रेंजर मनोज श्रीवास्तव मौके पर नहीं पहुंचे थे। मंगलवार को जब बाघ होने की सूचना पर गांव चतीपुर के पास रेंजर गए तो ग्रामीणों ने उनको घेर लिया था। रेंजर का कहना है कि उनके साथ मारपीट की गई। इससे वह जान बचाकर वहां से भाग गए। हालांकि पुलिस मारपीट की घटना से इंकार कर रही है। देर शाम ही बाघ घटना स्थल से महज सौ मीटर के दायरें में तेजराम के खेत में देखा गया था। वहां पर जाल को लगा दिया गया है। बुधवार को जबफिर से रेंजर गांव पहुंचे तो ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। ग्रामीणों ने घेराव किया तो रेंजर वहां से निकल गए। बताया जा रहा है कि रेंजर ने तहरीर दी है।

थाना सेहरामऊ उत्तरी के एसएसआई मनोज कुमार ने बताया कि घटनास्थल और बाघ की लोशन वाले स्थान पर पुलिस और वन विभाग की टीम लगी है। रेंजर से मारपीट की घटना नहीं हुई है। रेंजर की तरफ से कोई तहरीर भी नहीं दी गई है। संबंधित चतीपुर क्षेत्र में निगरानी में लगी टीमों को उस वक्त निराशा हुई कि जब हल्की बूंदें गिरी। इससे निगरानी कार्य कुछ देर को प्रभावित हुआ। इस क्षेत्र में बार बार बाघ दिखने और उससे संबंधित वीडियो का शोर होता रहा। पर बाघ की सटीक लोकेशन वन कर्मियों व टीमों को नही मिली।

धुले जिले के दौरे के दौरान महाराष्ट्र विधानमंडल की समिति को रिश्वत देने का प्रयास हुआ: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने दावा किया है कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धुले जिले के दौरे के दौरान राज्य विधानमंडल की प्राक्कलन समिति को 'रिश्वत' देने की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। राउत ने बुधवार रात को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि धुले शहर में सरकारी अतिथि गृह के एक कमरे में पांच करोड़ रुपये से अधिक की नकदी मिली। राज्यसभा सदस्य ने दावा किया, ''जब विधानमंडल की प्राक्कलन समिति ने आज (बुधवार को) धुले जिले का दौरा किया तब समिति को रिश्वत देने के लिए धुले के सरकारी विश्राम गृह गुलमोहर के कमरा नंबर 102 में लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये रखे गए थे।'' राउत ने कहा कि शिवसेना के पूर्व विधायक अनिल अन्ना गोटे और स्थानीय शिवसेना (उबाठा) नेताओं ने कमरे को बंद कर दिया और बाहर पहरा देने लगे। उन्होंने आरोप लगाया, ''जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित करने के बावजूद चार से पांच घंटे बीत गए और कोई नहीं आया... प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला। रिश्वत का उद्देश्य विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और इसमें अधिकारियों की संलिप्तता को दबाना था।

कन्नड़ नहीं हिंदी में बात करूंगी, ऐसा कहने पर एसबीआई की महिला मैनेजर का ट्रांसफर

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को अनेकल तालुक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा प्रबंधक के कन्नड़ में बात करने से इनकार करने के व्यवहार की निंदा की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया था, जिसमें कथित तौर पर एक ग्राहक के साथ वह कन्नड़ भाषा को लेकर बहस करती हुई सुनी जा सकती हैं। स्बह्ट ने महिला अधिकारी का ट्रांसफर करने का फैसला लिया है। मंगलवार को सामने आए वीडियो में ग्राहक के साथ कथित बहस के दौरान, प्रबंधक को यह कहते हुए सुना जा सकता है ''मैं कन्नड़ में बिल्कुल बात नहीं करूंगी.......बल्कि हिंदी में बात करूंगी।'' उन्हें बार-बार यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह कन्नड़ में बात नहीं करेंगी, जबकि ग्राहक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का हवाला देते हुए दावा किया कि बैंक कर्मचारियों को क्षेत्रीय भाषा में संवाद करना आवश्यक है। इस घटना की कन्नड़ कार्यकर्ताओं और कन्नड़ समर्थक समूहों ने कड़ी निंदा की। उन्होंने प्रबंधक द्वारा माफी मांगे जाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में अधिकारी को स्थानांतरित करने की एसबीआई की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सूर्य नगर, अनेकल तालुक में एसबीआई शाखा प्रबंधक का कन्नड़ और अंग्रेजी में बात करने से इनकार करना और नागरिकों के प्रति अनादर दिखाना, अत्यंत निंदनीय है। हम अधिकारी को स्थानांतरित करने की एसबीआई की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं। अब इस मामले को समाप्त माना जा सकता है।'' हालांकि, सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए और सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए तथा स्थानीय भाषा में बात करने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए। उन्होंने हैशटैग 'कन्नड़ फर्स्ट' के साथ लिखा, ''मैं केंद्रीय वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग से पूरे भारत में सभी बैंक कर्मचारियों के लिए सांस्कृतिक और भाषा संवेदीकरण प्रशिक्षण अनिवार्य करने का आग्रह करता हूं।'' उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा का सम्मान करना लोगों का सम्मान करना है।

बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी प्रबंधक के बर्ताव की निंदा करते हुए कहा, ''यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में बैंकों को ग्राहकों की सेवा कन्नड़ में करनी चाहिए। सूर्या ने बताया कि कुछ सप्ताह पहले ही लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में उन्होंने वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव के समक्ष यह मुद्दा उठाया था, जिन्होंने उन्हें आश्वासन दिया था कि ऐसी भूमिकाओं के लिए स्थानीय भाषा में प्रवीणता अनिवार्य होने संबंधी कार्यालयीन अधिसूचना लागू करने के लिए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि इसे उचित तरीके से लागू नहीं किया जा रहा। मैं एसबीआई के संबंधित अधिकारियों से डीएफएस की नीति को तत्काल लागू करने का आग्रह करता हूं जिसमें स्थानीय भाषा का ज्ञान आवश्यक है। मैंने संबंधित अधिकारियों से इस तरह का व्यवहार करने वाली प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है।'' इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी टी वी मोहनदास पई ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से पूरी तरह सहमत हैं और सभी ग्राहकों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''प्रत्येक राज्य या जिले में सेवा क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को स्थानीय भाषा में बोलने का पूरा प्रयास करना चाहिए और स्थानीय नागरिकों के प्रति गरिमा और सम्मान प्रकट करना चाहिए। गैर-अंग्रेजी भाषी लोगों को कभी नीचा नहीं दिखाया जाए। स्थानीय भाषा की जगह हिंदी कोई स्वाभाविक भाषा नहीं है।''

यूएई ने शारजाह में रचा इतिहास

शारजाह, एजेंसी। हैदर अली (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद आलीशान शराफ (नाबाद 68) और आसिफ खान (नाबाद 41) की विस्फोटक पारियों की बदौलत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शारजाह में तीसरे टी20 मुकाबले में 5 गेंदे शेष रहते बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज को ऐतिहासिक रूप से 2-1 से अपने नाम कर लिया।

टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ यूएई की दूसरी और बांग्लादेश के खिलाफ पहली सीरीज जीत है। इससे पहले यूएई ने साल 2021 में आयरलैंड को इसी अंतर से हराया था। शारजाह स्टेडियम में बुधवार की रात खेले गए टी-20 मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। बांग्लादेश के बल्लेबाजे हैदर अली की घातक गेंदबाजी के आगे बेबस नजर आए। बांग्लादेश का पहला विकेट दूसरे ओवर में परवेज हुसैन इमॉन (शून्य) के रूप में गिरा। कप्तान लिटन कुमार दास (14), मो. तौहीद हृदोय (शून्य), महेदी हसन (दो) और तंजिद हसन 18 गेंद पर (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद शमीम हुसैन (नौ), रिशाद हुसैन (छह) और जाकेर अली 34 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुये। यूएई के गेंदबाजों ने बांग्लादेश को निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 162 के स्कोर पर रोक दिया। यूएईकी ओर से हैदर अली ने चार ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिए। मतिउल्लाह खान और सगीर खान को दो-दो विकेट मिले।

अकिफ राजा और ध्रुव पराशर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट दूसरे ही ओवर में कप्तान मुहम्मद वसीम (नौ) के रूप में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आलीशान शराफु ने मुहम्मद जोहैब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 44 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रिशाद हुसैन ने मुहम्मद जोहैब (29) को बोल्ड इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद तंजीम अहमद ने राहुल चोपड़ा (13) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इस दौरान दूसरे छोर पर खड़े आलीशान शराफु तेजी के साथ रन बनाते रहे। इसके बाद आसिफ खान ने आलीशान शराफ के साथ मोर्चा संभाला और टीम को ऐतिहासिक जीत की ओर ले गये। यूएई ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आलीशान शराफ ने 47 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 68) रन बनाये। आसिफ खान ने 26 गेंदों में पांच छक्के लगाते हुए (41) रनों की नाबाद पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल 2025:

जैकब बेथेल के जाने के बाद आरसीबी ने टिम सेफर्ट को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। न्यूजीलैंड के धमाकेदार विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को युवा इंग्लिश खिलाड़ी जैकब बेथेल के अस्थायी प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को इंग्लैंड के युवा खिलाड़ी जैकब बेथेल के स्थान पर अस्थायी रूप से टीम में शामिल करने की घोषणा की। बेथेल को इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए अपनी सेवाएं देनी हैं, जिसके चलते वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले के बाद स्वदेश लौटेंगे। आरसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, न्यूजीलैंड के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सेफर्ट को जैकब बेथेल के स्थान पर आरसीबी में अस्थायी रूप से शामिल किया गया है। बेथेल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हमारे मैच के बाद इंग्लैंड के लिए राष्ट्रीय ड्यूटी पर लौटेंगे।

टिम सेफर्ट का अनुभव और प्रदर्शन

30 वर्षीय टिम सेफर्ट एक अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 66 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इस दौरान 1540 रन बनाए हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल उन्हें एक मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है। सेफर्ट इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए 2021 में और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के लिए 2022 में खेल चुके हैं। वह 2 करोड़ रुपये की कीमत पर आरसीबी में शामिल होंगे और 24 मई से टीम के साथ जुड़ेंगे।

धमाकेदार शुरुआत करने के बाद पटरी से उतर गई दिल्ली कैपिटल्स की गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स टीम का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट गया है। डीसी को आईपीएल 2025 के 63वें मैच में मुंबई इंडियंस ने 59 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही पांच बार की चैंपियन एमआई की टीम एक बार फिर प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। एमआई के लिए आईपीएल 2025 की शुरुआत जिस तरह से हुई थी, उसके अनुसार उनका प्लेऑफ तक पहुंचना सराहनीय है। वहीं, डीसी की गाड़ी अच्छी शुरुआत के बाद भी पटरी से उतर गई। आईपीएल 2025 में एक के बाद एक लगातार चार मैच जीतकर धमाकेदार शुरुआत करने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम एक समय शानदार लग रही थी। लेकिन उसके बाद उन्हें अहम मौकों पर हार का सामना करना पड़ा।

खास बात यह है कि डीसी को पहली हार एमआई के ही खिलाफ मिली थी। इस हार के बाद डीसी की लय कभी पहले जैसी नहीं रही। आईपीएल के इतिहास पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि अक्सर शानदार शुरुआत के बाद भी कई टीमों को प्लेऑफ में जाने में सफलता नहीं मिलती है। इसका बड़ा कारण लीग स्टेज का लंबा होना है। डीसी के साथ 2016 सीजन में भी ऐसा हो चुका है, जब यह टीम शुरुआत के 7 मैचों में 5 मुकाबले जीतने के बाद भी प्लेऑफ में नहीं जा पाई थी। बिल्कुल यही स्थिति सीजन 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ थी। पंजाब किंग्स की टीम भी सीजन 2018 में शुरुआती छह मैचों में पांच जीत के बावजूद प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2025 सीजन अधिक निराशाजनक साबित हुआ है। इसका कारण यह है कि वह पहली ऐसी टीम बन गई है जिसने शुरुआत के लगातार चार मैच जीतने के बाद भी प्लेऑफ में जगह हासिल नहीं की।

दिल्ली कैपिटल्स के इस खिलाड़ी ने आचार संहिता का किया उल्लंघन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल की एक विज्ञप्ति में कहा गया, मुकेश कुमार ने अनुच्छेद 2.2 के लेवल एक के उल्लघंन को और मैच रेफरी का जुर्माना स्वीकार कर लिया है। आईपीएल 2025 में बुधवार को मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की। हार के साथ-साथ दिल्ली के एक खिलाड़ी पर आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में भारी जुर्माना लगा है। दिल्ली के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। मुकेश को अनुच्छेद 2.2 के अंतर्गत लेवल एक के उल्लघंन के लिए एक डिमेरिट अंक भी दिया गया जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदानी उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। दिल्ली कैपिटल्स बुधवार को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस से 59 रन से हारकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

बहुत तकलीफ में हैं हिटमैन

आईपीएल 2025 के बाद रोहित शर्मा का ऑपरेशन!

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा है, वो पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. ऐसे में रोहित अब केवल ओडीआई मैच ही खेलेंगे. हिटमैन अभी आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं, जिसमें वो 11 मैचों में 300 रन बना चुके हैं. अब एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद रोहित बाईं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवा सकते हैं. चूंकि रोहित अब सिर्फ ओडीआई मैच खेलेंगे और टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ है, जो 17 अगस्त से शुरू होगी. आईपीएल 2025 का समापन 3 जून को होगा और उसके बाद रोहित को सर्जरी से उबरने के लिए करीब ढाई महीने का समय मिल सकता है. क्रिकब्लॉगर के हवाले से एक सूत्र ने बताया, रोहित शर्मा अगर 2027 वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो यह उनकी सर्जरी के लिए सबसे सही समय है. रोहित कप्तान होने की जिम्मेदारी के कारण इस चोट को कई सालों से ढो रहे हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद का शेड्यूल उन्हें सर्जरी से उबरने में मदद करेगा. इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड या रोहित शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

रोहित ने अब तक क्यों नहीं करवाई सर्जरी

रोहित शर्मा ने सर्जरी करवाने में देरी क्यों की? इस पर सूत्र ने बताया कि तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी के कारण उनके कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ था. चूंकि अब उन्हें केवल ओडीआईफॉर्मेट पर ध्यान लगाना होगा, ऐसे में आईपीएल 2025 के बाद मिलने वाले ब्रेक का रोहित फायदा उठा सकते हैं. बताते चलें कि रोहित शर्मा पूरे आईपीएल 2025 में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते आए हैं. वो ऐसा क्यों कर रहे हैं, इसकी वजह का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन हैमस्ट्रिंग इंजरी इसका एक मुख्य कारण हो सकती है.

टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीता

- फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया, ब्रेनन ने मैच का इकलौता गोल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टॉटेनहॅम हॉटस्पर ने यूरोपा लीग का खिताब जीत लिया है। टीम ने गुरुवार एथलेटिक बिलबाओ के सैन मैम्स स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया।

इसी के साथ टॉटेनहॅम का यूरोपीय ट्रॉफी के लिए 41 साल का इंतजार खत्म हो गया। टीम ने पिछला खिताब 1984 में जीता था। टॉटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है। टॉटेनहॅम का यह तीसरा यूरोपा लीग टाइटल है। ब्रेनन जॉनसन ने मैच का इकलौता गोल किया। मैच में दोनों टीमों के लिए मौके बनाना मुश्किल था। हालांकि, 42वें मिनट में टॉटेनहॅम को सफलता मिल गई। ब्रेनन जॉनसन ने मैच के 42वें मिनट में गोल किया। गोल का जश्न मनाते ब्रेनन।

टॉटेनहॅम ने 17 साल बाद कोई मेजर ट्रॉफी जीती है। टीम ने अपना पिछला बड़ा खिताब 2008 में जीता था.

आईपीएल के उभरते सितारे सूर्यवंशी और म्हात्रे इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल

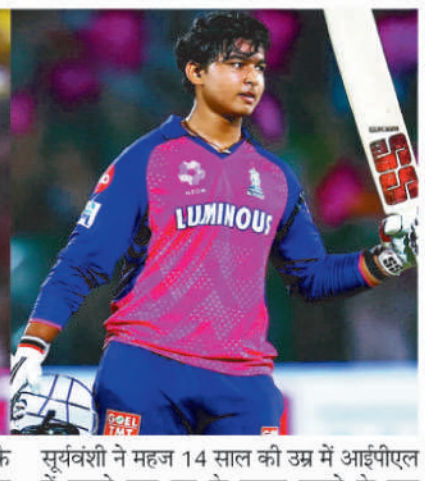

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2025 के उभरते स्टार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे को इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। इन दोनों ने टूर्नामेंट के मौजूदा संस्करण में अपने-अपने पक्ष के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। म्हात्रे इस दौरे पर टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें 24 जून से 23 जुलाई तक 50 ओवर का अभ्यास मैच, उसके बाद पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज और इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच शामिल हैं। मुंबई के अभिज्ञान कुंडू को म्हात्रे का डिप्टी नियुक्त किया गया है। सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में आईपीएल में सबसे कम उम्र के शतक बनाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। पिछले साल की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। सात मैचों में, इस किशोर ने एक शतक और एक अर्धशतक सहित 252 रन बनाए हैं। दूसरी ओर, म्हात्रा को चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की चोट के कारण मध्य सत्र में टीम में शामिल किया गया था। 17 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज ने पीली जर्सी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और चेन्नई की कमजोर बल्लेबाजी इकाई में तुरंत प्रभाव डाला है। सलामी बल्लेबाज ने छह मैचों में 206 रन बनाए हैं, जिसमें एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 94 रनों की सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है।

यह जोड़ी पिछले साल यूएई में अंडर-19 एशिया कप में भारत की उपविजेता टीम का भी हिस्सा थी। अन्य उल्लेखनीय चयन में पंजाब के बल्लेबाज विहान मल्होत्रा और केरल के लेग स्पिनर मोहम्मद एनान शामिल हैं, दोनों ने चेन्नई और पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 युवा श्रृंखला के दौरान प्रभावित किया।

भारत अंडर19 टीमः

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अनमोलजीत सिंह। **स्टैंडबाय खिलाड़ी:** नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंकृत रापोल (विकेटकीपर)।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के बाद

हॉलीवुड में तबाही मचाने को तैयार रोमन रेंस, मिल सकता है ये बड़ा रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। रोमन रेंस को प्रोफेशनल रेसलिंग में एक बड़ा नाम माना जाता है और वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास में सबसे महान सुपरस्टार्स में से एक माने जाएंगे। उनकी लोकप्रियता ने उन्हें मनोरंजन जगत में भी एक बड़ा नाम बना दिया है। रोमन रेंस कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स में पहले भी नजर आ चुके हैं। पिछले साल एक बड़ी हॉलीवुड फिल्म में अपनी पहली प्रमुख भूमिका के बाद रेंस को एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। 21 मई, 2025 को डेडलाइन ने रिपोर्ट किया कि रोमन रेंस लोकप्रिय वीडियो गेम स्ट्रीट फाइटर के लाइव-एक्शन वर्जन का हिस्सा बनने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अभी तक कुछ फाइनल नहीं

फाइटफुल के अनुसार, अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने फिल्म और गेमिंग इंडस्ट्री में इस बारे में जानकारी हासिल की। हालांकि, वे यह रिपोर्ट करने में सक्षम थे कि रेंस को अकुमा के किरदार के लिए विचार किया जा रहा है। वीडियो गेम्स में अकुमा एक भावहीन और शक्तिशाली योद्धा है। फरवरी में यह खबर आई थी कि डायरेक्टर किताओ सकुराई इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने डैनी और माइकल फिलिप्पो की जगह ली है, जो अप्रैल 2023 में इस प्रोजेक्ट से जुड़े थे। यह तब हुआ जब लेजेंडरी ने स्ट्रीट फाइटर आईपी के विशेष फिल्म और टीवी अधिकार हासिल कर लिए।

23 मई को नीरज और वेबर फिर आमने-सामने, दोनों ने दोहा में 90+ मीटर भाला फेंक कर मचाया था तहलका

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है। पिछले हफ्ते दोहा में 90 मीटर का थ्रो फेंकने वाले दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और जूलियन वेबर एक बार फिर आमने सामने होंगे। दोनों ही शुक्रवार को ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में फिर इससे बड़ा थ्रो फेंकने की कोशिश करेंगे। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका, लेकिन उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर की दूरी से भारतीय एथलीट को पछाड़ दिया।

नीरज और वेबर के साथ होंगे पीटर्स

2022 यूरोपीय चैंपियन और 2024 में रजत पदक विजेता वेबर ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 93.07 मीटर) के साथ पोलैंड में होंगे। ग्रेनाडा दोहा में 84 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। पोलैंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी मार्सिन क्रुकोव्स्की (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.55 मीटर) के साथ हमवतन साइप्रियन मिर्जग्लोड (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.97 मीटर), डेविड वेगनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 82.21 मीटर), मोल्दोवा के एंड्रियन माडरि (86.66 मीटर) और यूक्रेन के आर्टूर फेलनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.32 मीटर) आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं।

90 मीटर फेंक कर राहत महसूस कर रहे नीरज

नीरज 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि 'यह तो बस शुरुआत थी' और वह आने वाले लंबे सत्र में और अधिक दूर भाला फेंकने की कोशिश करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रुख से अदालत नाराज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन ने तीसरे देशों में निर्वासन पर अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है। अदालत के मुताबिक प्रशासन ने अराजक देश दक्षिण सूडान से जुड़ी उड़ान में यात्रियों को भेजकर गलत किया है। बोस्टन में न्यायाधीश ब्रायन ई मर्फी ने कहा, विमान में सवार आठ प्रवासियों को यह आपत्ति करने का कोई सार्थक अवसर नहीं दिया गया कि निर्वासन उन्हें खतरे में डाल सकता है। नोटिस मिलने के कुछ ही घंटों बाद इस समूह को अमेरिका से बाहर भेज दिया गया। इस कारण उन्हें अदालत में आपत्ति जताने के लिए वकीलों से संपर्क करने का मौका ही नहीं मिला। कोर्ट की इस टिप्पणी पर सरकारी वकीलों ने कहा, इन लोगों का आव्रजन प्रणाली से पुराना संबंध रहा है। उन्हें निर्वासित किये जाने का डर व्यक्त करने का अवसर पहले ही मिल गया था। आव्रजन अधिकारियों ने अदालत के आदेश को गलत समझा होगा, क्योंकि न्यायाधीश ने नोटिस और निर्वासन के बीच आवश्यक समय का उल्लेख नहीं किया था।

सातवीं बार बोले राष्ट्रपति ट्रम्प : बिजनेस के जरिए जंग रुकवाई; मोदी को महान शख्स बताया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष को सुलझाया है। ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने बिजनेस के जरिए से विवाद सुलझाया है। अमेरिका, भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ बड़ा सौदा कर रहा है। ट्रम्प ने यह दावा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान किया। उन्होंने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच हमले और भी खतरनाक और बदतर होते जा रहे थे। किसी को तो इसे अंजाम पर पहुंचाना ही था। हमने उनसे बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, मैंने दोनों देशों से कहा कि आप लोग क्या कर रहे हैं पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन और कुछ बहुत अच्छे, महान नेता हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं। इस पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा- कॉमन फ्रेंड, मोदी हमारे भी दोस्त हैं। फिर ट्रम्प ने कहा- वह (मोदी) एक महान शख्स हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ङ्क पर सबसे पहले इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद से बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है। हालांकि, 15 मई को उन्होंने कहा था- मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, बल्कि सिर्फ मदद की है।

अमेरिका के साथ अगले दौर की वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहा ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु समझौतों पर अप्रत्यक्ष बातचीत के अगले दौर से पहले उनका देश विचार-विमर्श कर रहा है। समाचार एजेंसी इरना के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री ने यह टिप्पणी पिछले वर्ष 19 मई को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अपने पूर्ववर्ती हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की मृत्यु की पहली वर्षगांठ के अवसर पर तेहरान में आयोजित एक समारोह में की। अराघची ने कहा, हम देख रहे हैं कि पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने अनुचित और अतार्किक रुख अपनाया है। ईरान ने इन स्थितियों पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। अराघची ने कहा, हम बातचीत की मेज पर अत्यधिक मांगों के खिलाफ खड़े होंगे, लेकिन हमने कभी कूटनीति नहीं छोड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान की स्थिति स्पष्ट है कि समझौता हो या न हो (यूरेनियम) संवर्धन जारी रहेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, विदेश मंत्री ने कहा, देश अपने परमाणु कार्यक्रम के बारे में पारदर्शिता प्रदान करने के लिए तैयार है। बदले में ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने पर बातचीत होनी चाहिए, और प्रतिबंधों को हटाया जाना चाहिए। पिछले साल हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु की स्मृति में आयोजित एक समारोह में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने तेहरान के यूरेनियम संवर्धन के बारे में निरर्थक टिप्पणी करने के खिलाफ अमेरिका को चेतावनी दी थी। उनकी वेबसाइट पर प्रकाशित फुटेज में यह बात सामने आई है। मंगलवार को ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के पांचवें दौर के लिए प्राप्त प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। ओमान की मदद से, ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने पर अप्रैल से अब तक चार दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। हाल के दिनों में, अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार मांग की है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से बंद कर दे, लेकिन तेहरान ने दृढ़ता से उसे अस्वीकार कर दिया है।

अमेरिका में इजराइली एंबेसी के 2 अफसरों की हत्या

वॉशिंगटन में यहूदी म्यूजियम के बाहर गोली मारी, हमलावर ने लगाए फिलिस्तीन की आजादी के नारे

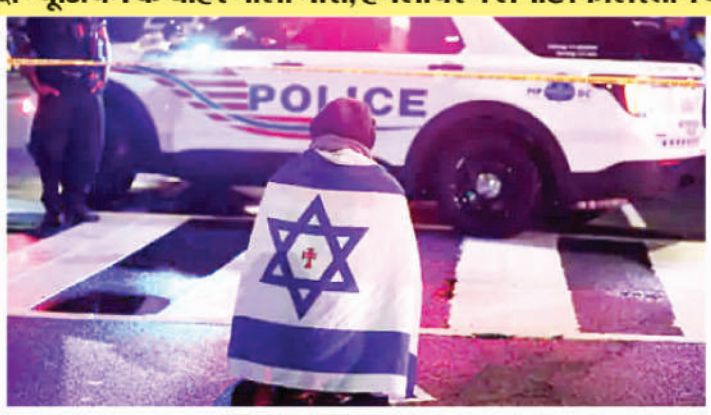

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट (भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 6 बजकर 35 मिनट) पर यहूदी म्यूजियम के बाहर हुई। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक अपराधी ने 'फ्री फिलिस्तीन' का नारा लगाकर दोनों को नजदीक से गोली मारी है। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। घटना के वक्त दोनों कर्मचारी कैपिटल यहूदी म्यूजियम से बाहर निकल रहे थे। इजराइली दूतावास ने प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ने हाल ही में सगाई की थी और जल्द ही शादी करने वाले थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एलियास रॉड्रिगेज के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल है। वह शिकागो का रहने वाला है। गिरफ्तारी के दौरान वह फिलिस्तीन को आजाद करने के नारे लगा रहा था।

अमेरिका बोला- यह टारगेट किलिंग : पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ ने कहा कि गोलीबारी से पहले एक संदिग्ध को म्यूजियम के बाहर घूमते हुए देखा गया था। उसने बाहर निकलते चार लोगों के एक ग्रुप पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। घटना शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जहां कई म्यूजियम, सरकारी दफ्तर और एफबीआई का ऑफिस भी मौजूद है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह टारगेट किलिंग जैसी घटना है। फिलहाल घटना की जांच चल रही है और जल्द ही और जानकारी साझा की जाएगी। एफबीआई की ज्वॉइंट टेररिज्म टास्कफोर्स इस घटना की जांच में जुट गई है।

इजराइली राजदूत बोले- यह पूरे यहूदी समुदाय पर हमला : संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने इस हमले को यहूदी विरोधी आतंकवाद बताया है। उन्होंने कहा कि यह पूरे यहूदी समुदाय पर हमला है। उन्होंने अमेरिका से दोषियों पर सख्त एक्शन लेने की अपील की। इजराइली दूतावास के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों कर्मचारी एक यहूदी कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, तभी उन्हें करीब से गोली मारी गई। इस दौरान अमेरिका में इजराइल के राजदूत वहां मौजूद नहीं थे। पुलिस ने लोगों को उस इलाके से दूर रहने की सलाह दी है, जहां यह हमला हुआ। हालांकि स्नन्छ ने कहा है कि अभी स्थिति कंट्रोल में है। एफबीआई चीफ काश पटेल ने कहा- मुझे और मेरी टीम को इस घटना की जानकारी दी गई है। हम इस पर काम कर रहे हैं। आपको जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे। अमेरिकन यहूदी समिति के सीईओ टेड ड्यूच ने कहा कि यह कार्यक्रम उनकी संस्था ने आयोजित किया था। वह इस हिंसक घटना से बहुत दुखी हैं।

नफरत और कट्टरपंथ के लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने भी इन हत्याओं पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ये हत्याएं साफ तौर पर यहूदी-विरोधी भावना पर आधारित हैं। नफरत और कट्टरपंथ के लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं है। बहुत दुख की बात है कि ऐसी चीजें हो सकती हैं। इस बीच, एफ.बी.आई. निदेशक काश पटेल ने बताया कि मुझे और मेरी टीम को आज रात कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर और हमारे वाशिंगटन फील्ड ऑफिस के पास डाउनटाउन डी.सी. में हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। हम इसे लेकर एम.पी.डी. के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदनाएं जताते हुए कहा कि हम इस बारे में जरूरी अपडेट देते रहेंगे।

इस्त्राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने दी प्रतिक्रिया : इस्त्राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घृणा और यहूदी विरोधी भावना का एक घृणित कृत्य है, जिसने इस्त्राइली दूतावास के दो युवा कर्मचारियों की जान ले ली है। हमारी संवेदनाएं मारे गए लोगों के प्रियजनों के साथ हैं और हमारी प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। मैं राजदूत और दूतावास के सभी कर्मचारियों को अपना पूरा समर्थन देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम डीसी और पूरे अमेरिका में यहूदी समुदाय के साथ खड़े हैं। अमेरिका और इस्त्राइल अपने लोगों और हमारे साझा मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट रहेंगे। आतंक और नफ़रत हमें नहीं तोड़ पाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई आंखो-देखी : वहीं, एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जब उसने गोलियों की आवाज सुनी तो बाहर आकर देखा। उन्हें एक आदमी कुछ ज्यादा ही परेशान दिख रहा था। फिर लोग उसकी मदद के लिए आए और उसे पानी लाकर दिया, यह सोचकर कि उसे मदद की ज़रूरत है। उन्हें नहीं पता था कि वह संदिग्ध था। बाद में जब पुलिस आई, तो उसने फ्री फलस्तीन के नारे लगाना शुरु कर दिया। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में इस्त्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने इस गोलीबारी को यहूदी विरोधी आतंकवाद का घृणित कृत्य करार दिया है। डैनन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस आपराधिक कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

चीन दे रहा अमेरिका को टक्कर, क्या 5जी सैटेलाइट की चाल से बिगड़ेगा खेल

बीजिंग , एजेंसी। चीनी प्रौद्योगिकी का एक नया उदाहरण सामने आया है। चीनी वैज्ञानिकों ने 5जी उपग्रहों की मदद से सीधे स्मार्टफोन पर ब्रॉडबैंड वीडियो कॉल करके इतिहास रच दिया है। दुनिया में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैद्धांतिक रूप से इस तकनीक का उपयोग करके वीडियो को सैटेलाइट के माध्यम से सीधे फोन पर स्ट्रीम किया जा सकता है। तो क्या अमेरिका टिकटॉक पर फंस सकता है यदि अमेरिका और चीन के बीच टिकटॉक से जुड़ी डील टूट जाती है और ऐप को अमेरिका में प्रतिबंधित कर दिया जाता है, तो भविष्य में 5जी सैटेलाइट तकनीक के जरिए फोन पर सीधे अंतरिक्ष से टिकटॉक चलाने की संभावना बढ़ सकती है। यद्यपि इसमें कई विनियामक मुद्दे होंगे, लेकिन लोग हैकिंग में विशेषज्ञ हैं। वे भविष्य में अपने डिवाइसों पर प्रतिबंधित ऐप्स चलाने के लिए ऐसी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं। चाइना सैटेलाइट नेटवर्क ग्रुप (चाइना सैटनेट) ने इस परीक्षण की जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण 5जी नॉन-टेरेस्ट्रियल नेटवर्क मानकों पर किया गया था। इसका मतलब यह है कि फोन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 5जी विनिर्देशों के माध्यम से उपग्रह से जुड़ा हुआ है। इसमें किसी हार्डवेयर को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अब कल्पना कीजिए कि यदि कोई अमेरिकी यूजर अपने फोन को इस तकनीक से जोड़ ले तो उसके मोबाइल में प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐसे ऐप्स आसानी से डाउनलोड हो जाएंगे जो अमेरिका में प्रतिबंधित हैं। हालाँकि, स्वयं चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार्य होने के बावजूद, इस तकनीक को नियामक मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है।चीन सैटेलाइट इंटरनेट के क्षेत्र में भी अमेरिका को चुनौती देने के लिए आगे बढ़ रहा है। वहां चाइनासेटनेट सरकारी नियंत्रण में है। इसने अंतरिक्ष में हजारों उपग्रह भी प्रक्षेपित किये हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का सीधा मकसद एलन मस्क की स्टारलिंक को चुनौती देना है।रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक से भविष्य में फोन को सीधे उपग्रहों से जोड़ा जा सकेगा। इससे पारंपरिक मोबाइल टावरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। दूरदराज के क्षेत्रों में जहां कनेक्टिविटी की समस्या है, वहां लोगों को सिग्नल मिलते रहेंगे।

कानूनी लड़ाई में जीत के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ पीस को वापस मिला अपना मुख्यालय, मस्क के प्रयासों को लगा झटका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ पीस को अपना मुख्यालय वापस मिल गया है। दरअसल सरकार की लागत कम करने के उद्देश्य से एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के बोर्ड और कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था और संस्थान के कामकाज पर कब्जा कर लिया था। सरकारी दक्षता विभाग के इस फैसले के खिलाफ इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के बोर्ड सदस्यों ने अदालत का रुख किया। जहां संघीय जज ने सरकारी दक्षता विभाग द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बता दिया और मुख्यालय का कब्जा फिर से संस्थान को बोर्ड सदस्यों को सौंपने का फैसला सुनाया।

बुधवार को मुख्यालय पहुंचे कार्यकारी अध्यक्ष : इसके बाद संस्थान को इसका मुख्यालय वापस मिल गया। बुधवार को इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के कार्यकारी अध्यक्ष जॉर्ज मूस ने एक बार फिर से मुख्यालय में प्रवेश किया। सरकारी दक्षता विभाग द्वारा इस मुख्यालय को अपने कब्जे में लेने के बाद यह पहली बार था कि मूस मुख्यालय में दाखिल हुए। मार्च में मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने मूस समेत बोर्ड सदस्यों और कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

नेतन्याहू ने दोहराया गाजा पर पूर्ण कब्जे का इरादा, ट्रंप से मतभेद की खबरों को बताया बेबुनियाद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करने के अपने इरादे को दोहराया और युद्ध समाप्ति के लिए किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि गाजा में 20 बंधक अब भी जीवित हैं, जबकि 38 अन्य के मारे जाने की आशंका है। पश्चिम यरूशलम स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने अपनी मंशा जाहिर की।

फिलिस्तीनी संगठन हमास ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह युद्ध समाप्ति, गाजा से इजरायली सेना की वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में इजरायली बंदियों को एकमुश्त रिहा करने के लिए तैयार है। नेतन्याहू ने इन शर्तों को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने फिलिस्तीनी प्रतिरोध समूहों के निरस्त्रीकरण की मांग की है और गाजा पर पूरी तरह से फिर से कब्जा करने पर जोर दिया है।

नेतन्याहू ने दावा किया कि एक बार ये लक्ष्य हासिल हो जाने के बाद, इजरायल तथाकथित ट्रंप योजना को लागू करने के लिए आगे बढ़ेगा -जिसे व्यापक रूप से गाजा से फिलिस्तीनियों के पुनर्वास की रूपरेखा के रूप में देखा जाता है। नेतन्याहू ने ट्रंप की खाड़ी यात्रा के बाद अमेरिकी प्रशासन के साथ मतभेद की अटकलों को भी खारिज कर दिया, जिसमें इजरायल को शामिल नहीं किया गया था।

ट्रंप की सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा ने कई बड़े व्यापारिक सौदे किए। इसे लेकर मीडिया में कई तरह की बातें उठीं। खासकर वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगी इजरायल को शामिल न किए जाने को लेकर तमाम सवाल खड़े किए गए। यह यात्रा ट्रंप के यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी बमबारी अभियान को समाप्त करने के निर्णय के बाद हुई।

नेतन्याहू, जिन्होंने पहले इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की थी, ने एक समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि : मैं इजरायल के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। इजरायल पर बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बीच, ट्रंप ने गाजा में युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने और मानवीय सहायता सामग्री की राह बाधित न करने का आग्रह किया था। कुछ दिनों पहले एक अलग बातचीत में, नेतन्याहू ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने उनसे कहा था : हमारे बीच पड़ रही दरार को लेकर उठ रही सभी फर्जी खबरों पर ध्यान न दें।

गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शामिल हो सकता है कनाडा, मार्क कार्नी की ट्रंप से हुई बात

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट में कनाडा भी शामिल हो सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को बताया कि उनकी सरकार गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शामिल होने के लिए अमेरिका की सरकार से बात कर रही है। 175 अरब डॉलर के इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम की मदद से अमेरिका अंतरिक्ष में भी हथियार तैनात करने में सक्षम हो जाएगा। ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि साल 2029 तक यह गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से संचालित हो जाएगा।

मार्क कार्नी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बात

मार्क कार्नी ने कहा कि यह कनाडा की सुरक्षा के लिए अच्छा विचार है। कार्नी ने इस बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने की पुष्टि की और कहा कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर इसे लेकर बात हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मार्क कार्नी के दावे की पुष्टि की और कहा कि कनाडा सरकार ने

उनकी सरकार से संपर्क किया है और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट में शामिल होने की इच्छा जताई है। ट्रंप ने कहा कि वे कनाडा के साथ मिलकर काम करेंगे और इसके लिए कनाडा को उचित योगदान देना होगा। गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम से अमेरिका ऐसी क्षमता हासिल करना चाहता है, जिससे वह अंतरिक्ष से आने वाली मिसाइल को भी रोक सके। साथ ही संभावित खतरे को मिसाइल लॉन्च से पहले ही तबाह करने, मिसाइल लॉन्च होने के तुरंत बाद ही दुश्मन की मिसाइल को हवा में ही तबाह करने की क्षमता हासिल करना भी शामिल है।

ट्रंप ने गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्त्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम के निर्माण को लेकर मंजूरी भी दे दी। अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। व्यवस्था अब तक काफी बिखरी हुई मानी जाती है। गोल्डन डोम में अगली पीढ़ी के समग्र मिसाइल सिस्टम, अंतरिक्ष आधारित सेंसर और सिग्नल इंटरसेप्टर तैनात होंगे। यह बाहर से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, ड्रोन्स, फाइटर जेट्स के हमलों के नाकाम करेगा और उन्हें मार गिराएगा।

भारत की कार्रवाई से झल्लाया पाकिस्तान

भारतीय उच्चायोग के स्टाफ को किया निष्कासित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को निष्कासित करने का एलान किया। पाकिस्तान ने यह कार्रवाई भारत की कार्रवाई के विरोध में की। भारत ने बुधवार को पाकिस्तानी उच्चायोग के एक स्टाफ को अवांछित घोषित करते हुए निष्कासित कर दिया था। भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का फरमान सुनाया था। भारत की कार्रवाई से झल्लाया पाकिस्तान भी अब बिना किसी ठोस सबूत के भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है।

भारत ने 13 मई को भी पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को किया था निष्कासित : इससे पहले 13 मई को भी भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को अवांछित घोषित करते हुए निष्कासित कर दिया था। इन अधिकारियों पर जासूसी के आरोप लगे हैं। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में एक अधिकारी दानिश को तो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। दानिश के तार ही जासूसी के आरोप में पकड़ी गई भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पंजाब और हरियाणा से गिरफ्तार कई जासूसों से जुड़े पाए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में छिड़ा संघर्ष : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी। इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला कर कई आतंकियों को ढेर कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के शहरों को निशाना बनाते हुए हमले किए, लेकिन भारत ने उन हमलों को रोक दिया। जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का नाकाम प्रयास किया। भारतीय पक्ष ने पाकिस्तानी कार्रवाइयों का कड़ा जवाब दिया। 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्षविराम हो गया।

ट्रम्प की साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट से तीखी नोकझोंक : गोरे किसानों के नरसंहार का वीडियो दिखाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच बुधवार को व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने तीखी बहस हुई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों का नरसंहार किया जा रहा है। ओवल ऑफिस में मीटिंग के दौरान ट्रम्प ने एक वीडियो को सबूत के तौर पर दिखाते हुए दावा किया कि साउथ अफ्रीका में गोरे लोगों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जा रहा है। इसके कारण किसान अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। रामफोसा को इसके खिलाफ कदम उठाने चाहिए

हालांकि, रामफोसा ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि नरसंहार के आरोप झूठे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा- साउथ अफ्रीका में सभी नस्लों के लोग हिंसा से पीड़ित हैं। इनमें ज्यादातर अश्वेत हैं। वहां सिर्फ गोरे लोगों को नहीं सताया जा रहा है। ट्रम्प ने इससे इनकार करते हुए कहा कि सिर्फ गोरे किसानों को सताया जा रहा है। रामफोसा ने ट्रम्प को कतर सरकार से गिफ्ट में मिले प्लेन पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा- मुझे माफ कीजिए मेरे पास आपको देने के लिए प्लेन नहीं है, इस पर ट्रम्प ने भी उसी तरह जवाब दिया, उन्होंने कहा, काश आपके पास ये होता, तो मैं ले लेता।

दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई : दोनों राष्ट्रपतियों के बीच दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई। दोनों ने गोल्फ के बारे में बात की। ट्रम्प ने अफ्रीका में लोगों के गोल्फ खेलने के टैलेंट की तारीफ की। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने फिर टी शब्द का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच ट्रेड पर चर्चा करने की कोशिश की। उन्होंने एक मिनरल डील का भी जिक्र किया।

ट्रम्प ने अचानक कहा- लाइट बंद करो,

वीडियो चलाओ : दोनों नेता के बीच ठीक से बातचीत चल चल रही थी। अचानक ट्रम्प ने अपने स्टाफ से वीडियो चलाने के लिए लाइट्स बंद करने को कहा। इससे रामफोसा चौंक गए।

रामफोसा सिर्फ दो-तीन बार वीडियो देखने के लिए मुड़े : जब वीडियो शुरू हुआ, तो रामफोसा ने ट्रम्प से इशारों में सवाल किया कि यह क्या है हालांकि, ट्रम्प ने उन्हें इंतजार करने का इशारा किया। रामफोसा ने दो-तीन बार पीछे मुड़कर वीडियो देखा। ट्रम्प ने वीडियो को गोरे लोगों के नरसंहार का सबूत बताते हुए कहा कि इसमें हजारों गोरे किसानों की कब्र दिखाई गई हैं।

रामफोसा बोले- पता लगाएंगे वीडियो कहां की है : रामफोसा ने अपना संयम बनाए रखते हुए दावों से इनकार किया। उन्होंने कहा- मैंने पहले कभी यह वीडियो नहीं देखा है। हम पता लगाएंगे कि यह वीडियो कहां है। इसकी प्रामाणिकता की गहराई से जांच करेंगे। रामफोसा ने कहा, हमारे देश में हिंसा अपराध है, और इससे सभी प्रभावित हैं- चाहे वो काला हो या गोरा

ट्रम्प नहीं रुके, न्यूज आर्टिकल्स दिखाकर हत्या-हत्या कहने लगे : रामफोसा के यकीन दिलाने के बाद भी ट्रम्प नहीं रुके। उन्होंने न्यूज आर्टिकल्स की प्रिंटेड कॉपी दिखाई, जिनमें साउथ अफ्रीका में मारे गए गोरे लोगों के बारे में बताया गया है। पन्नों को पलटते हुए ट्रम्प जोर से हत्या...हत्या कहते रहे। गोल्फ ट्रम्प का पसंदीदा खेल है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति रामफोसा दो दक्षिण अफ्रीकी गोल्फ खिलाड़ियों एर्नी एल्स (सबसे दाएं) और रीटिफ गूसेन (बीच में) को मेहमान के तौर पर साथ ले गए थे। बहस के दौरान वे दोनों राष्ट्रपति के पीछे खड़े थे। गोल्फ ट्रम्प का पसंदीदा खेल है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति रामफोसा दो दक्षिण अफ्रीकी गोल्फ खिलाड़ियों एर्नी एल्स (सबसे दाएं) और रीटिफ गूसेन (बीच में) को मेहमान के तौर पर साथ ले गए थे। बहस के दौरान वे दोनों राष्ट्रपति के पीछे खड़े थे।

रामफोसा बोले- साउथ अफ्रीका में गोरे ज्यादा खुशहाल : इसके खत्म होने के बाद रामफोसा ने कहा कि वीडियो में उनके देश की पूरी तस्वीर नहीं दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका में कई राजनीतिक दल हैं। लोकतंत्र ने उन्हें अपनी बात कहने की अनुमति दी है। वीडियो में वो जो कह रहे हैं हमारी सरकार की नीति उससे अलग है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 23 मई 2025 | 8

नगर निगम रीवा द्वारा वूमेन फॉर ट्री अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से झलबदरी, कुबेर तालाब एवं शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

हितग्राहियों का ई-केवाईसी सात दिनों में शत-प्रतिशत पूरा करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन की विकासखण्डवार तथा समितिवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी समिति प्रबंधक उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन तथा उचित मूल्य दुकान चलाने वाले स्वसहायता समूह हितग्राहियों की शत-प्रतिशत ई केवाईसी सात दिवस में कराएं। इसके लिए 24 मई को ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जो व्यक्ति पात्र पाए जाएं उनके ई केवाईसी दर्ज कराएं। विषमता परिवार, मृतक, डुप्लीकेट तथा अपात्र हितग्राहियों के नाम राशन मित्र पोर्टल से काटने की भी कार्यवाही करें। ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा सेल्समैन मिलकर अपात्रों के नाम पोर्टल से 26 मई तक अनिवार्य रूप से पृथक कराएं। स्थाई रूप से पलायन करने वाले परिवारों के नाम भी पोर्टल से पृथक करें। जिले में एक जून से राशन वितरण की ऑनलाइन प्रणाली लागू की जा रही है। जिन हितग्राहियों का ई केवाईसी नहीं होगा उन्हें जून माह से राशन नहीं मिलेगा। इसलिए सभी हितग्राहियों की ई केवाईसी सात दिनों में अनिवार्य रूप से कराएं। इसमें लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अभी आप सबके पास सात दिनों का समय है। इसमें रात-दिन काम करके ई केवाईसी का लंबित कार्य पूरा करा लें। आवंटित खाद्यान्न का हर माह वितरण 95 प्रतिशत से अधिक हो रहा है। इसलिए ई केवाईसी भी 95 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। अपात्र व्यक्तियों के नाम काटने की कार्यवाही तत्परता से करें। जून माह से स्मार्ट राशन प्रणाली लागू होने के बाद ई केवाईसी के अभाव में यदि हितग्राही खाद्यान्न से वंचित होते हैं तो सेल्समैन समिति प्रबंधक, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। अपात्रों को खाद्यान्न वितरण की वसूली की भी कार्यवाही की जा सकती है। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को 24 मई को विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने ई केवाईसी में लापरवाही बरतने पर उचित मूल्य दुकान अतरैला, लूक, पटेहरा के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। ई केवाईसी की मानीटरिंग में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर ने आजीविका मिशन के ब्लाक समन्वयक जवा को नोटिस देकर उसके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने समिति प्रबंधकों को आगामी दो माह तक ऋणों की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने तथा बड़े बकायादारों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी, प्रभारी उपायुक्त सहकारिता, सभी सीएमओ, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समिति प्रबंधक तथा उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग की बड़ी कार्यवाही

दो बिना परमिट बसों सहित 20 वाहनों पर चालान, यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता

रीवा। जिले में परिवहन विभाग, की टीम ने अनधिकृत और नियम-विरुद्ध वाहनों के खिलाफ व्यापक जांच अभियान चलाया। इस अभियान में दो बिना परमिट बसों सहित 20 अन्य बसों पर बड़ी चालानी कार्रवाई की गई, जिससे यात्री सुरक्षा और परिवहन नियमों के पालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।परिवहन आयुक्त के निर्देश पर 13 मई से शुरू हुए इस विशेष अभियान के तहत, रीवा प्रयागराज, हनुमान सीधी गोविंदगढ़ सिरमौर मार्ग पर वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि दो यात्री बसें बिना वैध परमिट के संचालित हो रही थीं, जो मोटरयान अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अलावा, 20 अन्य बसों में विभिन्न अनियमितताएं जैसे फिटनेस से संबंधित जुडे सुरक्षा मानको , और सुरक्षा मानकों का पालन न करना पाया गया। परिवहन विभाग ने इन सभी वाहनों के खिलाफ चालान अधिरोपित किए, जिससे 63500 रुपये का राजस्व भी वसूला गया।जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध रूप से संचालित वाहनों पर लगाम लगाना है। उन्होंने कहा, बिना परमिट और अनफिट वाहनों का संचालन न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह यात्रियों की जान को भी खतरे में डालता है। हमारा अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि सड़कों पर सुरक्षित और नियम-अनुरूप परिवहन सुनिश्चित हो। यह कार्रवाही स्थानीय बस ऑपरेटरों के बीच हड़कंप मचा रही है, और कई ऑपरेटरों ने अपने वाहनों को मानकों के अनुरूप लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिवहन विभाग ने स्कूल बसों और अन्य यात्री वाहनों के लिए भी नियमित जांच की घोषणा की है, जिसमें सीसीटीवी, जीपीएस, स्पीड गवर्नर, और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्यता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।यह अभियान न केवल परिवहन नियमों के पालन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि यात्रियों में भी सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूकता पैदा कर रहा है। स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई की सराहना की है और इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। परिवहन विभाग की यह कार्यवाही आरटीओ रीवा के मार्गदर्शन में परिवहन सुरक्षा स्क्वाड प्रभारी और चेकपॉइंट हनुमना प्रभारी द्वारा की गई।

नरवाई जलाने वाले किसानों पर 141500 रुपए का जुर्माना

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सम्पूर्ण रीवा जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसानों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि नरवाई जलाने वाले किसानों पर 141500 रुपए जुर्माना लगाया गया है। तहसील त्योंथर में 32500 रुपए, तहसील जवा में 35000 रुपए, तहसील सेमरिया में 47500 रुपए, तहसील सिरमौर में 25000 रुपए तथा तहसील गुढ़ में 1500 रुपए जुर्माना लगाया गया है। तहसील हुजूर में एक किसान के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। तहसील रायपुर कर्चुलियान तथा मनगवां में भी नरवाई जलाने वाले किसानों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का समय सीमा पूरा होने पर इनके विरूद्ध भी जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। अपर कलेक्टर ने कहा है कि किसान किसी भी स्थिति में खेतों की नरवाई न जलाएं। इससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट होने के साथ-साथ आग लगने का भी खतरा रहता है। सभी तहसीलदार नरवाई जलाने की सूचना मिलने पर कृषि विभाग के कर्मचारियों के साथ जाकर पंचनामा बनाएं तथा नरवाई जलाने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें।

उद्योग विभाग की कार्यशाला 24 मई को

रीवा। भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के विकास के लिए आरएएमपी योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कई नवीन प्रावधान किए गए हैं। इस संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला 24 मई को आयोजित की जा रही है। इस संबंध में जिला महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि कार्यशाला स्टार होटल में शाम 6 बजे आरंभ होगी। कार्यशाला में मध्यप्रदेश की एमएसएमई डवलपमेंट पालिसी, एमएसएमई भू आवंटन नियम 2025 तथा एमपी स्टार्टअप पालिसी की जानकारी दी जाएगी। सभी आमंत्रितों से कार्यशाला में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

सभी पंचायतों में 24 मई को ई केवाईसी के लिए होगी विशेष ग्राम सभा

विशेष ग्राम सभा में ई केवाईसी कराएं तथा अपात्र के नाम काटें : कलेक्टर

रीवा। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की शत-प्रतिशत ई केवाईसी की जा रही है। इसके लिए 24 मई शनिवार को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा है कि ग्राम सभा आयोजन के लिए तत्काल सूचना जारी कर दें। निर्धारित तिथि में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कराकर उसमें उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन और समिति सेवक राशन कार्ड में दर्ज सभी व्यक्तियों की ई केवाईसी करा लें। ग्राम सभा में मृत हितग्राहियों, विषमता परिवार के सदस्यों और स्थाई रूप से पलायन करने वाले सदस्यों की सूची का भी वाचन कर दें। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक मृतक, डुप्लीकेट नाम तथा विषमता परिवार के सदस्यों के नाम राशन मित्र पोर्टल से पृथक करने की कार्यवाही करें। ई केवाईसी शत-प्रतिशत अपडेशन तथा अपात्रों के नाम काटने की कार्यवाही 26 मई तक पूरी करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने कहा है कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम सभाओं के आयोजन की तत्काल व्यवस्था कराएं। प्रत्येक ग्राम सभा में नोडल अधिकारी तैनात करें। सभी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी भी ग्राम सभाओं मंथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सभी एसडीएम ग्राम सभाओं के आयोजन की मानीटरिंग सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी 31 मई तक न होने पर उन्हें जून माह से खाद्यान्न नहीं मिलेगा। इसके लिए सेल्समैन, समिति प्रबंधक तथा उचित मूल्य दुकान का संचालन करने वालों के विरूद्ध उत्तरदायित्व का निर्धारण करके कार्यवाही की जाएगी। जिला आपूर्ति अधिकारी सभी विकासखण्डों से उचित मूल्य दुकानवार ई केवाईसी अपडेशन की कार्यवाही पूरी कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में जिला पंचायत को मिला प्रथम स्थान

रीवा। जिला पंचायत रीवा को सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में अप्रैल माह की ग्रेडिंग में प्रथम स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने सीएम हेल्पलाइन शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री गुर्जर ने कहा कि जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर तत्परता से कार्यवाही की। अधिकतर प्रकरणों को समुचित कार्यवाही के बाद संतुष्टिपूर्वक निराकृत किया गया जिससे जिला पंचायत को रैंकिंग में प्रथम स्थान मिला। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

श्रवण एवं दृष्टि बाधित विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश का अवसर

रीवा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय श्रवण एवं दृष्टि बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा एक में प्रवेश का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में अधीक्षक ने बताया कि श्रवण एवं दृष्टि बाधित बच्चे कक्षा एक में निःशुल्क प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश के आवेदन पत्र के साथ दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूनिक आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, आधार पंजीयन, समग्र आईडी, बैंक खाता संख्या तथा निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

वूमेन फॉर ट्री अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं का शैक्षणिक भ्रमण

रीवा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम रीवा द्वारा ''वूमेन फॉर ट्री'' अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से झलबदरी, कुबेर तालाब एवं शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर महिलाओं को जल संरक्षण, तालाबों के पारिस्थितिक महत्व, तथा पौधारोपण की वैज्ञानिक विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम रीवा के सिटी मैनेजर श्री अभिमन्यू सिंह, श्री राजेश विश्वकर्मा तथा पीडीएमसी रेजिडेंट इंजीनियर श्री अर्चित सिंह बघेल, सोशल एक्सपर्ट सुश्री डिंपल सिंह, फील्ड इंजीनियर सुश्री सोनाली शुक्ला एवं रिफॉर्म एक्सपर्ट श्री ज्योतिरादित्य सिंह मौजूद रहे। इन सभी की उपस्थिति में यह आयोजन प्रेरणादायी एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। महिलाओं ने पूरे उत्साह, समर्पण और लगन के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

कमिश्नर ने वनाधिकार की संभागीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

रीवा। वनाधिकार अधिनियम 2006 से संबंधित रीवा एवं शहडोल जिलों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि जनजातीय परिवार परंपरागत रूप से वनों के संरक्षक रहे हैं। उनकी आजीविका का मुख्य साधन वन रहे हैं। लेकिन जनजातीय परिवारों को आवासीय और खेती की भूमि के पट्टे नहीं मिले हुए थे। वनाधिकार अधिनियम में हजारों परिवारों को भू अधिकार पत्र देकर उन्हें उस जमीन का मालिक बनाया जिस पर उनका पीढ़ियों से अधिकार था। वनाधिकार अधिनियम ने जनजातीय परिवारों को वनों की सुरक्षा करते हुए खेती और अन्य आर्थिक गतिविधियों के अधिकार दिए हैं। इस अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन करके हजारों परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य वन संरक्षक राजेश राय, वन मण्डलाधिकारी, उपायुक्त जनजातीय कार्य श्रीमती ऊषा अजय सिंह, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा जिला स्तरीय वनाधिकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यशाला में अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

रीवा। किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है। बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि सभी किसान किसान क्रेडिट कार्ड बैंकों के माध्यम से बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम, पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है।

जेल महानिदेशक ने किया केन्द्रीय जेल का निरीक्षण

रीवा। जेल महानिदेशक श्री जीपी सिंह ने केन्द्रीय जेल रीवा का निरीक्षण किया। जेल महानिदेशक ने निरीक्षण के दौरान जेल के विभागीय मद से कराए गए निर्माण कार्यों एवं नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ किया। जेल महानिदेशक ने केन्द्रीय जेल के बंदी वार्डों, जेल अस्पताल एवं पाकशाला का भ्रमण किया। महानिदेशक ने बंदियों को स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त एवं नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बंदियों की अधिक संख्या के कारण महानिदेशक ने अतिरिक्त बैरक निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए।

नलजल योजना की संचालन और संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत उठाएं

पंचायतें वाल्व आपरेटरों को समय पर वेतन दें और कार्य कराएं : कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि समूह नलजल योजनाओं का कार्य जिन ग्रामों में पूरा हो गया है वहाँ हर घर में नल का कनेक्शन देकर पानी की प्रतिदिन आपूर्ति कराएं। जिन गांवों में अभी भी कनेक्शन शेष है वहाँ 15 दिवस में सभी घरों में कनेक्शन करा दें। पानी की नियमित आपूर्ति के साथ जल कर की भी वसूली करें। नलजल योजनाओं के संचालन और संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतें उठाएं। ग्रामवासियों को पेयजल की आपूर्ति ग्राम पंचायत की ही जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी तरह की कठिनाई आने पर जल जीवन मिशन की एजेंसी ग्राम पंचायतों को पूरा सहयोग करे। वाल्व आपरेटरों की लापरवाही के कारण गांवों में पानी के वितरण में कठिनाई आ रही है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उन सभी गांवों में वाल्व आपरेटर की नियुक्ति तत्काल कर दें जहाँ नलजल योजनाएं संचालित हैं। इन्हें ग्राम पंचायतों के माध्यम से नियमित रूप से वेतन का भुगतान करते हुए वाल्व आपरेशन का कार्य कराएं। वाल्व आपरेटर को समय पर वेतन नहीं मिला तो जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को

भी वेतन नहीं मिलेगा।

कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों में जलजीवन मिशन द्वारा नल जल योजना की पाइप लाइन की जियो टैगिंग करके नक्शे उपलब्ध कराए गए हैं। ग्राम पंचायत में कोई भी निर्माण कार्य शुरू होने से पहले उपयंत्री इन नक्शों को अवश्य देखें। जहाँ पाइप लाइन चिन्हित की गई हैं वहाँ निर्माण कार्य न कराएं। निर्माण कार्यों के कारण जिन स्थानों में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई है वहाँ के उपयंत्रियों को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कारण बताओ नोटिस दें। पंचायत के निर्माण कार्य के कारण यदि पेयजल की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होती है तो उसके सुधार का कार्य भी ग्राम पंचायत ही करे। इसके लिए जल कर की राशि और 15वें वित्त की राशि का उपयोग करें। जल जीवन मिशन की निर्माण एजेंसियाँ सुधार कार्य में ग्राम पंचायतों को सहयोग करेंगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नलजल योजनाओं के संचालन और संधारण की स्वयं निगरानी करें। कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नलजल योजनाओं के संचालन में लापरवाही बरतने पर नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बाणसागर समूह नलजल योजना तथा टमस समूह नलजल योजना के कार्य में तेजी लाएं। टमस समूह नलजल योजना के निर्माण कार्यों की प्रगति धीमी रहने पर कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई। कलेक्टर ने कहा कि टमस समूह नलजल योजना का कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा होना है। इसकी मंथवार प्रगति की कार्ययोजना बनाएं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833